www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 300 || लखनऊ
मंगलवार
03 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक तमसा संकेत
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:51
सूर्यास्तः 05:50
अधिकतमः 22°00
न्यूनतमः 13°00

पेज 03

विशेष समाचार ग्रामीण स्वास्थ्य आज भी चिंता का ... >> पेज 02 | बीजेपी विधायक के भतीजे ने जान दी ... >> पेज 04 | रोहित शेट्टी फायरिंग केस ...

रक्षा मंत्री बोले- 'सदन को गुमराह किया जा रहा है', स्पीकर ने माइक बंद कराया

राहुल गांधी के बयान से संसद गरमाई

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब का हवाला देते हुए कहा- 4 चीनी टैंक लद्दाख सीमा में पहुंच गए थे। राहुल के ऐसा कहते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री शाह ने उन्हें टोका। इसके बाद स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोका। राहुल करीब 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 3 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही राहुल ने बोलना शुरू किया। लेकिन हंगामे के चलते महज 9 मिनट बाद ही कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। शाम 4 बजे भी कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा हुआ और 11 मिनट बाद कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल ने कहा, ये डरे हुए हैं, मुझे बोलने नहीं दे रहे

राहुल गांधी ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा। ये कहते हैं कि ये आतंकवाद से लड़ते हैं। लेकिन एक कोट से डरते हैं। इसमें ऐसा क्या है जो इतना डर रहे हैं। घबरा रहे हैं। ये डरे नहीं हैं तो मुझे बोलने दें। वे डर क्यों रहे हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण में इंडिया की स्थिति चीन अमेरिका से संबंधों के बारे में था। जो मैं कह रहा हूं वह चीन से जुड़ा है। जो डोकलाम में भारत के साथ चीन ने किया है। नरवणे ने लिखा है। मैं वह कोट नहीं कर रहा हूं। राजनाथ ने कहा- राहुल जिस किताब के बारे में चर्चा कर रहे हैं। जो तथ्य कह रहे हैं तो वह किताब में होंगे तो प्रकाशित हुए होते।

राहुल गांधी ने सदन में कहा, डोकलाम में चीनी टैंक भारत की सीमा में पहुंच गए थे। मैं यह बात एक मैगजीन के आर्टिकल के हवाले से कह रहा हूं। जिसमें पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की किताब (मेमॉयर) को कोट किया गया है।

एअर इंडिया ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी

पायलट बोला- 2 बार स्विच बंद हुआ, दावा- अहमदाबाद प्लेन क्रैश में भी यही हुआ

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लंदन। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइन को फ्लाइट ऑपरेशन से हटा दिया गया है। एयरलाइन के मुताबिक, फ्लाइट AI 132 को उड़ान भरनी थी, लेकिन पायलट ने बताया कि प्लेन का फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने के दौरान 2 बार पोजिशन से कटऑफ हुआ। इसके बाद प्लेन को ऑपरेशन से हटा दिया गया। प्लेन में आई खराबी की जांच में ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (OEM यानी बोइंग कंपनी) को शामिल

किया गया है। मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को भी दी गई है। जिसमें कोई समस्या सामने नहीं आई थी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश भी फ्यूल कंट्रोल स्विच इंजन स्टार्ट करने में दिक्कत की वजह से हुआ था।

>> (शेष पेज 04 पर)

सूर्या ने कहा, राहुल की लीडरशिप में 95 चुनाव हार चुके, जल्द 100 होंगे

सूर्या ने कहा, पिछले दस साल में जो सबसे बड़ा बदलाव देश में आया है वह कि देश का समाज का कल्चर बदलना, व्यवहार बदलना सबसे कठिन चीज होती है। दस साल पहले देश के नौजवान का एस्पिरेशन सरकारी नौकरी लेना था।जैसे मैं सांस्कृतिक विरासत के बारे में कहा, वैसे ही यूपीए के दस साल के कार्यकाल में 8 से 10 कॉम्बिनेशन में सर्चिंग की। उन्होंने कहा कि दस साल के भाषण में स्टार्ट अप का, ईज ऑफ डूइंग जैसे शब्दों का एक बार भी उल्लेख नहीं है। आज देश के युवा यूपीआई आईपीओ के बारे में बात कर रहे हैं, दस साल पहले ये उनकी वोकेबलरी में नहीं था।

राजनाथ ने कहा- राहुल को बोलने से रोका जाए

राहुल ने कहा, ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला है। हमारी सेना ईस्टर्न लद्दाख में थी। चीन की सेना वहां घुस गई। राजनाथ ने कहा, मैं जानना चाहता हूं कि राहुल जी को ये बातें कहां से पता चलीं वे बताएं। ये गुमराह कर रहे हैं इन्हें इस मसले पर बोलने से रोका जाए। 2015 में मोदी सरकार ने मंदिरों के लिए कॉरिडोर, विकास किया। राम मंदिर का भी उद्घाटन मोदी के कार्यकाल में हुआ। दशकों तक सदियों तक भारत कॉलोनाइज्ड हो गया। इसके कारण देश में कॉम्प्लैक्स आ गया। इस बार राष्ट्रपति के अभिभाषण में हमने सुना है।

कांग्रेस ने किताब के पन्ने शेयर किए, चीनी टैंक घुसपैठ के वक्त का घटनाक्रम

कांग्रेस ने एक मैगजीन में पब्लिश आर्टिकल के पेज सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किए। इसमें पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश बुक Four Stars of Destiny के अंश हैं। इसमें 31 अगस्त 2020 को लद्दाख सीमा पर भारत-चीन के बीच बने हालात का जिक्र है। बताया जब चीनी टैंक पूर्वी लद्दाख में बढ़ रहे थे तब क्या हुआ?

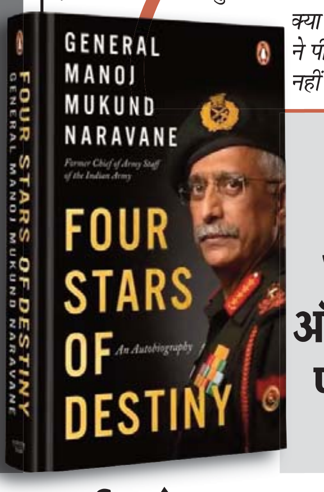

किरेन रिजिजू ने कहा- राहुल देश को नीचा दिखा रहे हैं

किरेन रिजिजू ने पूछा, 'देश को नीचा दिखाकर क्या मिलेगा। हमारा आपका मतभेद हो सकता है। लेकिन आप ऐसी बात बता रहे हैं जिसका सोर्स नहीं है। किसने बताया आपको कि चाइनीज टैंक कहां खड़ा है।

अमित शाह ने कहा- मैंने तेजस्वी का भाषण ध्यान से सुना। उन्होंने विपक्ष की देशभक्ति पर कोई सवाल नहीं उठाया। वे सरकारों की मंशा पर बोले हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि हमारे चरित्र पर सवाल उठा रहे हैं। वे कह रहे हैं चाइनीज टैंक आए, इनको किसने बताया।

राहुल गांधी ने कहा- जब चीन हमारे सामने आ रहा था, तब 56 इंच की छाती को क्या हुआ

राहुल ने मीडिया से कहा, मैं सुरक्षा के मुद्दे पर सदन में बोलना चाहता था। पूर्व आर्मी चीफ ने राजनाथ सिंह से क्या कहा था। पता नहीं सरकार क्यों डरी हुई है। मैं पूर्व आर्मी चीफ की बात बताना चाहता था। नरवणेजी ने पीएम के बारे में, राजनाथ के बारे में एक आर्टिकल में लिखा है। मैं वो बोल रहा हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। चाइना हमारे सामने आ रहा था। तब 56 इंच की छाती को क्या हुआ था।

नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी', पब्लिश नहीं हुई

राहुल गांधी संसद में जिस किताब के आधार पर डोकलाम में चीनी टैंक घुसने का दावा कर रहे हैं, वह पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे ने लिखी है। 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' नामक यह किताब अभी पब्लिश नहीं हुई है। इसका हार्डकवर अप्रैल 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब में चीन के साथ भारतीय सेना की 2020 की झड़पों के साथ-साथ अग्निवीर योजना को रिव्यू किया गया है। 2019 से 2022 तक सेना प्रमुख रहे नरवणे ने इंडियन एक्सप्रेस के इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने अपनी किताब पेंग्विन पब्लिशर ग्रुप को छपने के लिए दे दी है। अब यह प्रकाशन समूह और सरकार के बीच का मामला है। किताब रक्षा मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेजी गई है। एक साल से ज्यादा हो चुका है लेकिन इसे पब्लिश करने की मंजूरी नहीं मिली है।

जाति गणना केवल सेल्फ डिक्लेरेशन से नहीं होनी चाहिए : एससी

सत्यापन जरूरी, केंद्र और अधिकारियों से इसपर विचार करने को कहा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 2027 की जनगणना में जाति गणना सिर्फ सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर नहीं होनी चाहिए। इसके बजाय इसे किसी भरोसेमंद तरीके से या सबूत के आधार पर करने पर विचार करें। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने आकाश गोयल की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केवल बिना जांच वाले सर्टिफिकेट के आधार पर किसी को शामिल या बाहर नहीं किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने कहा कि वे जाति जनगणना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे सत्यापित सामग्री के आधार पर किया जाना जरूरी है। यह डेटा कई सालों तक योजनाओं, आरक्षण और नीतियों का आधार बनेगा, इसलिए यह सिर्फ आत्म-घोषणा पर आधारित नहीं होना

चाहिए। सीनियर वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि हम प्रमाण पत्र की पूरी जांच की बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन कुछ न कुछ सामग्री होनी चाहिए। आज स्थिति यह है कि सब कुछ आत्म-घोषणा पर आधारित है। बिना सत्यापन की आत्म-घोषणा बेहद खतरनाक हो सकती है, क्योंकि कोई भी कुछ भी बता सकता है। जनगणना 2027 पर करीब 13,500 करोड़ का खर्च आने का अनुमान है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

वांगचुक लद्दाख को नेपाल-बांग्लादेश बनाना चाहते थे : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। ऐसे व्यक्ति को और जहर उगलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बैंच लद्दाख हिंसा मामले में एक्टिविस्ट वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

महाराष्ट्र-सरपंच बनने के लिए 6 साल की बेटी का मर्डर

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक शख्स पर अपनी छह साल की बेटी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राज्य में होने वाले आगामी पंचायत चुनाव में सरपंच बनने के लिए खुद को योग्य बनाना चाहता था। पुलिस के मुताबिक, केरूर गांव का रहने वाला 28 साल का पांडुरंग कोंडमंगले के तीन बच्चे हैं। इनमें एक तीन साल का बेटा और छह साल की जुड़वां बेटियां शामिल हैं। वह गांव में विराट सैलून नाम से दुकान चलाता था। वह पंचायत चुनाव में सरपंच का चुनाव लड़ना चाहता था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पांडुरंग को पंचायत चुनाव में दो बच्चों के नियम के कारण अयोग्य होने की आशंका सता रही थी।

हिमाचल के ऊंचे पहाड़ों पर फिर बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों पर बीती रात में ताजा बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश हुई। लाहौल स्पीति के रोहतांग व भरमौर में 6 इंच, गोंदला में 12 सेंटीमीटर, सांगला में 10.5 सेंटीमीटर, केलांग में 3 सेंटीमीटर, कल्पा में 2.5 सेंटीमीटर और मनाली में 2.5 सेंटीमीटर तक ताजा हिमपात हुआ। शिमला के कुफरी, नारकंडा व खड़ापत्थर और किन्नौर जिला में भी हल्की बर्फबारी हुई।

मुख्यमंत्री योगी से मिले माएर्स्क के एमडी, यूपी में निवेश विस्तार पर हुई अहम चर्चा

सिंगापुर की कम्पनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रमुख ने की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को विदेशी निवेशकों से निरंतर समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में सिंगापुर की अग्रणी एकीकृत कंटेनर लॉजिस्टिक्स कंपनी एपी मोलर माएर्स्क के प्रबंध निदेशक रीन पील पेडरसन ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश विस्तार को लेकर गहन चर्चा हुई। पेडरसन के साथ विवेक शर्मा, हेड बिजनेस डेवलपमेंट एवं रेगुलेटरी अफेयर्स (भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका क्षेत्र) भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं, उद्योगों के लिए अनुकूल

कारोबारी माहौल तथा राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है और यहां निवेशकों के लिए सुरक्षित, स्थिर और पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम, त्वरित स्वीकृतियां, नीति आधारित प्रोत्साहन और मजबूत कानून व्यवस्था के माध्यम से सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स हब, औद्योगिक कॉरिडोर और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते उत्तर प्रदेश निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। उन्होंने एपी मोलर माएर्स्क को राज्य में अपने निवेश का विस्तार करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार आवश्यक भूमि, कनेक्टिविटी और नीतिगत सहयोग सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर विवेक शर्मा ने बताया कि हमने उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों और यहां के निवेश अनुकूल माहौल को लेकर बहुत अच्छी और सार्थक चर्चा की।

>> (शेष पेज 04 पर)

बाहुबली अनंत सिंह लेंगे विधायक की शपथ

पटना सिविल कोर्ट ने दी इजाजत, दुलारचंद यादव हत्याकांड में 3 महीने से जेल में बंद हैं

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। बाहुबली अनंत सिंह मंगलवार को विधायक की शपथ लेंगे। पटना सिविल कोर्ट के फैसले के बाद उनके शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से विधानसभा लाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, अनंत सिंह को सिर्फ थपथ लेने के लिए कोर्ट से अनुमति मिली है। उन्हें दुलारचंद यादव मर्डर केस में जमानत नहीं मिली है। यानी शपथ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लेने के बाद वे फिर बेऊर जेल चले जाएंगे। अनंत सिंह फिलहाल दुलारचंद यादव हत्याकांड में न्यायिक हिरासत में पटना के बेऊर जेल में बंद हैं। अब वे 3 महीने बाद थपथ लेने के लिए जेल से बाहर आ रहे हैं। बता दें

दुलारचंद हत्याकांड मामले में सिविल कोर्ट से बेल रिजेक्ट होने के बाद बाहुबली ने 24 दिसंबर को हाईकोर्ट में अर्जी दी थी, लेकिन जिस कोर्ट में सुनवाई के लिए लिस्टिंग की गई, उस कोर्ट के जज ने सुनवाई से इनकार कर दिया। अब दूसरे कोर्ट में सुनवाई के लिए लिस्टिंग की जाएगी। 30 अक्टूबर 2025 को मोकामा के घोसवरी थाना क्षेत्र के बसावनचक में राजद नेता और जनसुराज के प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रहे दुलारचंद यादव की हत्या की गई थी। आरोप अनंत सिंह पर लगे थे। उन्हें 1 नवंबर की रात गिरफ्तार किया गया था।

2020 में कोर्ट ने अनंत सिंह को दी थी इजाजत

2020 विधानसभा चुनाव में भी अनंत सिंह जेल से ही चुनाव जीते थे। जब विधानसभा का सत्र शुरू हुआ तो उन्होंने शपथ लेने के लिए पैरोल मांगी। जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया और उन्होंने विधानसभा में आकर शपथ ली थी।

विधानसभा चुनाव के रिजल्ट से पहले 1 लाख रसगुल्ले और गुलाब जामुन बनाए गए थे।

अनंत सिंह ने विधायक पद की शपथ भी नहीं ली है

बिहार विधानसभा में 242 विधायक शपथ ले चुके हैं। बाहुबली अनंत सिंह ने शपथ नहीं ली है। अनंत सिंह जेल में बंद हैं। इस कारण शपथ नहीं ले सके। अनंत सिंह 28206 वोटों के अंतर से मोकामा सीट से जीतकर विधायक बने हैं। उन्हें 91416 वोट मिले। दूसरे नंबर पर राजद की प्रत्याशी वीणा देवी रहीं। उन्हें 63210 वोट मिले। अनंत सिंह की जीत के जश्न में पुराने बंगले में करीब 50 हजार लोगों के लिए भोज की व्यवस्था की गई थी

मुलाकात : बोलीं- चुनाव आयोग बीजेपी का आईटी सेल है, ऐसा झूठा चुनाव आयुक्त कभी नहीं देखा

ममता काली शॉल ओढ़कर मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ने सोमवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के खिलाफ काली शॉल ओढ़कर दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) से मुलाकात की। उनके साथ SIR प्रभावित 13 परिवार और TMC के नेता भी थे। मुलाकात के बाद ममता ने कहा, ₹मैं बहुत दुखी हूं। मैं दिल्ली की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हूं। मैं चार बार केंद्रीय मंत्री और सात बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने आज तक ऐसा अहंकारी और झूठा चुनाव आयुक्त नहीं देखा। ममता ने कहा- जब गृहमंत्री पश्चिम बंगाल आते हैं तो हम उन्हें रेड कारपेट देते हैं, लेकिन जब हम दिल्ली आते हैं तो

हमें ब्लैक कारपेट दिया जाता है। इसके पहले सुबह ममता ने दिल्ली पहुंचते ही कहा कि वे SIR के मुद्दे पर लड़ाई जारी रखेंगी। अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा, तो मैं लड़ूंगी, हमारी पार्टी लड़ेगी। दरअसल, चुनाव आयोग ने 19 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल में हुए SIR की नई वोटर लिस्ट जारी की। ड्राफ्ट रोल के बाद कुल मतदाता 7.08 करोड़ हैं। पहले 7.66 करोड़ थे। कुल 58 लाख 20 हजार से ज्यादा नाम काटे गए हैं।

12 राज्यों में चल रही एसआईआर की प्रोसेस

फिलहाल देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में SIR की प्रक्रिया चल रही है। अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी को जारी की जाएगी। अंडमान-निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में SIR हो रहा है। नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन) 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक चला, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में सुनवाई प्रक्रिया जारी

नई लिस्ट जारी होने के बाद अब सुनवाई की प्रक्रिया जारी है। पहले चरण में उन लगभग 30 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे गए हैं, जिनके एन्यूमरेशन फॉर्म में प्रोजेनी मैपिंग (वंशावली मिलान) दर्ज नहीं पाई गई है। इसके अलावा विभिन्न जिलों की 'संदिग्ध' श्रेणी में शामिल मतदाताओं को भी सुनवाई के लिए बुलाया गया है।

चुनाव आयोग के अनुसार, 28 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच छपाई और प्रशिक्षण का कार्य हुआ। इसके बाद 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक गणना (एन्यूमरेशन) चरण चला। मसौदा मतदाता सूची 9 दिसंबर को प्रकाशित की गई। इसके बाद 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियों की अवधि रही।

महिला क्लर्क 5000 घूस लेते पकड़ी गई

हाथरस के सीएमओ ऑफिस में इंटर्नशिप के लिए मांगे थे

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस। हाथरस में CMO (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) ऑफिस की एक महिला क्लर्क को 5000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। अलीगढ़ से आई एंटी करप्शन टीम ने उसे पकड़ा। महिला क्लर्क ने इंटर्नशिप अलॉटमेंट के नाम पर युवक से 5000 रुपए मांगे थे। लेकिन, युवक ने इसकी सूचना एंटी करप्शन टीम को दे दी। युवक ने ऑफिस में महिला क्लर्क को पैसे दिए। इसके बाद टीम ने उसे पकड़ लिया। एंटी करप्शन टीम जब उसे पकड़कर साथ ले जाने लगी तो महिला क्लर्क ने कैमरा

मीडिया के सामने क्लर्क सफाई देने लगी तो कांस्टेबल ने डांटते हुए गाड़ी में बिठाया।

देखते ही कहा कि मुझे ये लोग बेवजह पकड़े लिए जा जा रहे। मैं तो उस लड़के को जानती भी नहीं।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

वास्तविक चिंताओं से कटा बजट

मोदी सरकार ने एक बार एक ऐसा बजट पेश किया है, जिसमें आम जनता के लिए कुछ नहीं है, जबकि धनपतियों के लिए पूरा मौका है कि वे अपनी तिजोरी का धन दोगुना-चौगुना कर लें मोदी सरकार ने एक बार एक ऐसा बजट पेश किया है, जिसमें आम जनता के लिए कुछ नहीं है, जबकि धनपतियों के लिए पूरा मौका है कि वे अपनी तिजोरी का धन दोगुना-चौगुना कर लें। अमेरिका की तरफ से पड़ी टैरिफ की मार और बदलते भू राजनैतिक समीकरणों के बीच मोदी सरकार के पास बजट के रूप में एक अच्छा मौका था, जब वह आम आदमी की चिंता को सीधे संबोधित करती और उसकी रोजमर्रा की समस्याओं का हल पेश करती। लेकिन जैसे नरेन्द्र मोदी आज की बात न कर या तो हजार साल पहले की बात करते हैं या आने वाले सौ साल में देश कहां हो सकता है, इसके सपने दिखाते हैं। तो बजट में भी ऐसे ही दूर के सपने दिखाए गए हैं। 10,000 करोड़ रुपए के बायोफार्मा शक्ति प्रोग्राम से लेकर इंडिया सेमी कंडक्टर मिशन 2.0 के तहत सेमी कंडक्टर की महत्वाकांक्षाओं का विस्तार, 40,000 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स स्कीम, और कई सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग इंसेंटिव जैसी बातें निर्मला सीतारमण के भाषण में छाई रहीं। लेकिन ग्रामीण भारत के मजदूर-किसान, बेरोजगार युवा, छोटे और मध्यम कारोबारी, गृहणियां जिन रोजमर्रा के संकटों से दो-चार होती हैं, उस पर बजट लगभग खामोश रहा। सरकार मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी कानून लाकर उसके प्रचार के लिए विज्ञापन पर भारी खर्च कर रही है। लेकिन बजट भाषण में इस बारे में चुप्पी बता रही है कि ग्रामीण भारत से मोदी सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। खेती-बाड़ी पर विविधकरण और नारियल, कोको, चंदन और मेवे जैसी 'उच्च मूल्य वाली फसलों' पर बजट भाषण में बात हुई। इससे संपन्न व्यावसायिक किसानों को तो फायदा हो सकता है, लेकिन उन अनाज किसानों के लिए सीधे तौर पर किसी मदद की बात नहीं की गई जो भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य, खेती में बढ़ती लागत या फसलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसे मुद्दों का भाषण में कोई ज़िक्र नहीं था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सही कहा है कि यह बजट देश की समस्याओं से आंख मूंदने वाला है। राहुल गांधी ने लिखा कि देश में युवा बेरोजगार हैं, उत्पादन गिर रहा है, निवेशक पूंजी बाहर निकाल रहे हैं, घरेलू बचत तेजी से घट रही है और किसान संकट में हैं। वैश्विक स्तर पर आने वाले झटकों का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन बजट इन सभी मुद्दों को नजरअंदाज करता है और आंखें मूंदने वाला है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा बजट है जो सुधार से इनकार करता है और भारत के असली संकटों के प्रति अंधा बना हुआ है। हकीकत यही है कि इस बजट में देश में अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ चुकी आर्थिक असमानता पर कोई चिंता नहीं व्यक्त की गई है और न ही एससी, एसटी, ओबीसी, कमजोर आर्थिक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता दी गई है। मोदी सरकार हर साल नए तरह के सपने बजट में दिखाती है और पिछले सपनों को भूल जाती है। जैसे अब मेक इन इंडिया पर कोई बात नहीं होती। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में कितना घोटाला हुआ, यह हाल ही में आई रिपोर्ट्स से पता चलता है। महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली सरकार के बजट में न महिलाओं के लिए कोई बड़ी पहल है, न इस बात की चिंता कि रोजगार में महिलाओं की भागीदारी कैसे बढ़ाई जाए। बजट में रुपए की गिरती कीमत, महंगाई, या टैरिफ के कारण हो रहे व्यापार घाटे की भी कोई चिंता नहीं है। मोदी सरकार का मकसद हर तरह से चुनावी राज्यों को साधना होता है, पिछले साल बिहार पर सारा फोकस था, इस बार तमिलनाडु, केरल आदि पर फोकस है। प्रसंगवश बता दें कि निर्मला सीतारमण ने, तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ी पहनकर ही बजट पढ़ा, पिछली बार उन्होंने मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी पहनी थी। इस बार के बजट में निर्मला सीतारमण ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा है। सरकारी भाषा में यह आत्मनिर्भर भारत और चीन पर निर्भरता कम करने का बड़ा क़दम बताया जा रहा है। बता दें कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स 17 खास तरह के खनिज हैं जो आज की हाई-टेक दुनिया में बेहद ज़रूरी हैं। इनसे बने रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट्स यानी आरईपीएम इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होते हैं। इन मैग्नेट्स का ज़्यादातर उत्पादन और प्रोसेसिंग चीन के हाथ में है। जबकि भारत इन्हें ज़्यादातर आयात करता है। ऐसे में रेयर अर्थ कॉरिडोर सुनने में तो अच्छा प्रस्ताव दिखता है, लेकिन इसके साथ जो पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हैं, क्या सरकार उन पर ध्यान देगी। बता दें कि भारत में रेयर अर्थ का मुख्य स्रोत बीच सैंड मिनरल्स यानी बीएसएम है। इसमें मोनाजाइट नाम का खनिज होता है, जिसमें रेयर अर्थ के साथ यूरेनियम और थोरियम भी होते हैं। देश में ये खनिज केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों पर बहुत ज्यादा मात्रा में मिलते हैं। शायद इसीलिए इन्हीं राज्यों को चुना गया है। लेकिन बीच सैंड मिनरल्स खनन से समुद्र तटों का कटाव होता है, समुद्री जीवन बर्बाद होता है, रेडियोएक्टिव थोरियम और यूरेनियम निकलते हैं जो कैंसर जैसी बीमारियां फैला सकते हैं। केरल और तमिलनाडु में पहले से ही इलाकों में लोगों ने इसका विरोध किया है। ओडिशा में भी पर्यावरणविद् चेतावनी देते रहे हैं। सरकार कहती है कि सख्त नियम होंगे, लेकिन देश में खनन माफिया का जो आतंक है।

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

> वैसे यह खुशी की बात है कि अब जिला अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा एवं ट्रामा केयर सुविधाओं में भी बढ़ोतरी भी होगी तथा चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों के रोजगार सृजन पर भी ध्यान दिया जाएगा। साथ ही आयुर्वेद को भी बढ़ावा मिलेगा।

ग्रामीण स्वास्थ्य आज भी चिंता का विषय

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को अपना बजट पेश किया। बजट पेश करते समय उन्होंने कैंसर, डायबिटीज तथा सात अन्य दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती करने की घोषणा की। वित्त मंत्री की इस घोषणा का स्वागत करने का कोई कारण नहीं है। लेकिन क्या ही अच्छा होता है यदि वित्त मंत्री ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता सुधारने पर भी अपने विचार व्यक्त करती और बताती कि इसके लिए वह क्या करने वाली है या मोदी सरकार क्या करने वाली है? क्योंकि हम सब यह बात भली-भांति जानते हैं कि अस्पतालो के बाहर प्राथमिकत देखभाल तथा डॉक्टर और नर्स की कमी आज भी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में अगर मैं यह कहूं कि ग्रामीण इलाकों में अनुभव के आधार पर चिकित्सा कार्य करने वाले चिकित्सा मित्रों को यदि हटा दिया जाए तो सारी व्यवस्था भर भरा कर ढह जाएगी । ऐसे में इंडियन रूरल मेडिकोज सोसायटी कि यह मांग है कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं पर ज्यादा फोकस किया जाए। जीडीपी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर खर्च किया जाए । यह सही है कि बजट 2026-27 में स्वास्थ्य क्षेत्र को अब तक सबसे बड़ा बजट मिला है। कैंसर रोगियों को डे केयर के बाद अब सस्ती दवाएं मिले इसकी व्यवस्था की गई है। इससे केवल उत्तर प्रदेश में जो लाखों की संख्या में कैंसर पीड़ित है तथा करोड़ो की संख्या में शुगर के रोगी हैं उनको यकीनन लाभ होगा। लेकिन इसके साथ ही बुनियादी सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना और जीडीपी के हिसाब से स्वास्थ्य खर्च बढ़ाना अभी बड़ी जरूरत है। इसके साथ ही 145 करोड़ की आबादी वाले देश

में अभी भी डॉक्टरों तथा पैरामेडिकल स्टाफ की काफी कमी है उस कमी को पूरा करने तथा आम आदमी को चिकित्सा सुविधा उसके घर के नजदीक सस्ती दरों पर मिल सके इसके लिए कथित झोलाछाप डॉक्टरों को एक समयबद्ध प्रशिक्षण देकर उन्हें चिकित्सा व्यवसाय में उतारा जा सकता है क्योंकि उनके पास स्किल तो है लेकिन डिग्री नहीं है और मोदी सरकार भी शायद स्किल को प्रोत्साहित कर रही है। कितने दुख की बात है कि स्वास्थ्य मंत्रालय अपना पिछला बजट ही पूरा नहीं खर्च कर पाया है ऐसे में सरकार से क्या उम्मीद की जा सकती है। वैसे इस बार के बजट में स्वास्थ्य सहायक पेशेवरो यानी ए एच पी की संख्या बढ़ाने के लिए एक नए कार्यक्रम का ऐलान किया गया है इसके तहत रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ओटी टेक्नोलॉजी, प्रायोगिक मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य सहित 10 प्रमुख चिकित्सीय विधाओं में करीब 1 लाख स्वास्थ्य सहायकों को जोड़ा जाएगा। वैसे क्या ही अच्छा होता यदि सरकार इंडियन रूरल मेडिकोज सोसायटी तथा प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन को प्रशिक्षित पेशेवरो को इसमें प्राथमिकता के आधार पर लेती।

लेखक -रूरल मेडिकोज सोसायटी के अध्यक्ष है।

कहीं यूपी में योगी को घेरने की तो नहीं हो रही कोशिश

देश में इन दिनों एक अलग तरह का माहौल छाया हुआ है और दिलचस्प यह है कि उसका सबसे अधिक असर उत्तर प्रदेश में ही देखने को मिल रहा है। बीते दिनों दो ऐसे प्रकरण आये जिसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिला। पहला मामला प्रयागराज से आया ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का और दूसरा मामला यूजीसी का । अगर यह मान लिया जाये कि शंकराचार्य का मामला यूपी में गरमाया तो यूजीसी का असर तो पूरे देश में होना चाहिए था लेकिन उसका भी सबसे अधिक विरोध उत्तर प्रदेश में ही दिखा. पूरे देश से विरोध की कोई तस्वीर नहीं दिखी। आखिर क्या यह सिर्फ संयोग है या फिर 2०27 के चुनाव में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कुछ 'खेल' करने की साजिश क्योंकि दोनों मामलों पर न तो केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से कोई सफाई आयी और न ही संघ ने किसी भी तरह का वक्तव्य दिया। जाहिर है कि इसका असर जो भी होगा उसका सबसे अधिक प्रभाव उत्तर प्रदेश के 2०27 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर ही होगा। बीते लोकसभा चुनाव में भी यूपी से भाजपा को खासा नुकसान हुआ है लेकिन इस बार विधानसभा का चुनाव है और भाजपा का जो मूल वोट बैंक - ब्राह्मण, ठाकुर, कायस्थ, बनिया और भूमिहार है वह इस समय भाजपा से खासा नाराज है। भले ही यूजीसी पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया है लेकिन इस वर्ग में पार्टी को लेकर खासा आक्रोश है । पहले शंकराचार्य के मामले को लेते हैं । इस पर कोई मामला नहीं था लेकिन शंकराचार्य को 5० मीटर के लिए पैदल जाने की जिद करना और उसके बाद उनसे प्रशासन द्वारा यह मांग करना कि वह साबित करें कि वह शंकराचार्य हैं, इतने पर भी बात नहीं रुकी. पुलिस द्वारा उनके समर्थक साधु-संतों के साथ दुर्व्यवहार की जो तस्वीरें आयी, वह हर हिंदू के मन को उदास कर गयीं क्योंकि अभी तक उप्र का हर हिंदू उम्मीद करता था कि अगर साधु-संतों पर कोई बात आयेगी तो योगी आदित्यनाथ उसके साथ जरूर खड़ें होगे लेकिन इस मामले पर पुलिस की ज्यादती के बावजूद मुख्यमंत्री ने कोई दखल नहीं दिया और न ही पांच दिन धरने पर बैठे शंकराचार्य को मनाने के लिए कोई कोर-कसर ही करती सरकार दिखी। ऐसे में जब शंकराचार्य नाराज होकर चले गये तो अधिकारियों ने उनको मनाने की असफल कोशिश की जिसका और उल्टा असर हुआ जबकि इस मामले में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नरमी दिखायी और कहा कि शंकराचार्य के

साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था, बदले में शंकराचार्य ने भी केशव मौर्य की तारीफ कर दी। यही नहीं, गोवर्धन पीठ के स्वामी स्वामी निश्चलानंद सरस्वती और द्वारिका पीठ के स्वामी सदानंद सरस्वती ने भी शंकराचार्य के साथ खड़े होकर सहमति दिखायी जिसके बाद प्रशासन जागा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसलिए साफ कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ की प्रखर हिंदुत्व की छवि पर आघात तो लगा। दूसरा प्रकरण यूजीसी का आया तो सबसे अधिक विरोध प्रदर्शन यूपी में ही होने लगे। कुछ अधिकारी भी इसमें खड़े हो गये और अपना इस्तीफा भेजकर रोंटियां सेकंने लगे। इन विरोध प्रदर्शन की आग इतनी बढ़ी कि यूपी में कई भाजपा नेताओं के इस्तीफे हो गये । कई भाजपा विधायकों ने तो खुलकर सरकार के विरोध का स्वर बुलंद कर दिया। कई विधायकों ने तो सरकार को मजा चखाने की चुनौती भी दे डाली। यह मुद्दा ऐसा बन गया कि मुख्यमंत्री ने इस पर खामोशी ओढ़ ली क्योंकि यह मुद्दा न तो उगलते बन रहा था और न ही निगलते। वह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इस मामले पर पहले ही दिन और पहली ही सुनवाई पर तत्काल प्रभाव से स्टे लगा दिया और योगी सरकार को होने वाले डैमेज कंट्रोल पर भी स्टे लग गया। लेकिन स्टे के बावजूद सवर्ण वर्ग की नाराजगी अभी खत्म या कम होती नजर नहीं आ रही है। सवर्ण वर्ग का मानना है कि अभी स्टे हुआ है. सरकार की ओर से कानून को वापस नहीं लिया गया है।

राजेश श्रीवास्तव

जन सुराज का...

ललित गर्ग

विकसित भारत की उड़ानः बजट 2026 के आर्थिक संकल्प

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नवीन केंद्रीय बजट को यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो यह केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न की ठोस आधारशिला के रूप में सामने आता है। यह बजट उस रिफॉर्म एक्सप्रेस की तरह है जो बीते वर्षों में चली आर्थिक सुधारों की पटरियों पर तेज़ गति से दौड़ते हुए अब भारत को उच्च विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने का दावा करता है। तुलनात्मक, विवेचनात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि से यह बजट पूर्ववर्ती बजटों की निरंतरता को बनाए रखते हुए कई नए आयाम भी जोड़ता है, जो इसे ऐतिहासिक और भविष्यगामी बनाते हैं। पिछले कुछ वर्षों के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने आता है। महामारी, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत ने जिस आर्थिक मजबूती का प्रदर्शन किया है, उसका आत्मविश्वास इस बजट में स्पष्ट झलकता है। जहां पूर्व बजटों में संकट प्रबंधन और अर्थव्यवस्था को संभालने पर अधिक जोर था, वहीं यह बजट विकास की ऊंची उड़ान के लिए रनवे तैयार करता दिखता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र यहां नारे से आगे बढ़कर नीतिगत संरचना का रूप लेता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट की दृष्टि विशेष रूप से विवेचनात्मक है।

चिकित्सा अवसंरचना के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और डिजिटल हेल्थ के माध्यम से गांव-गांव तक चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने की दिशा में किए गए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार स्वास्थ्य को केवल खर्च नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश मान रही है। यदि पिछले दशक के बजटों से तुलना की जाए तो स्वास्थ्य पर आवंटन और दृष्टिकोण दोनों में गुणात्मक परिवर्तन दिखाई देता है। यह बदलाव भारत को न केवल स्वस्थ समाज की ओर ले जाने वाला है, बल्कि उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि को भी दीर्घकाल में मजबूती देगा। शिक्षा के क्षेत्र में भी बजट की आत्मा दूरदर्शी है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों से जुड़ी शिक्षा पर बल यह दर्शाता है कि सरकार भविष्य के भारत के लिए आज के युवाओं को तैयार करना चाहती है। पूर्ववर्ती बजटों में शिक्षा पर खर्च की चर्चा होती थी, लेकिन इस बजट में शिक्षा को रोजगार और नवाचार से जोड़ने की स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है। यह एक ऐसा बिंदु है जहाँ यह बजट तुलनात्मक रूप से अधिक परिपक्व और व्यावहारिक प्रतीत होता है। विकास की दृष्टि से यह बजट 'इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस समावेशन' का मॉडल प्रस्तुत करता है। रेलवे कॉरिडोरों के विकास, लॉजिस्टिक्स को सशक्त बनाने, सड़क, बंदरगाह और शहरी अवसंरचना में निवेश को जिस तरह प्राथमिकता दी गई है, वह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सात रेलवे कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन का माध्यम भी है। यदि इसे पिछले बजटों से जोड़कर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार अब बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन मानकर लगातार गति दे रही है। ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट विशेष उल्लेख के योग्य है। कृषि, ग्रामीण अवसंरचना, सिंचाई, किसान कल्याण और ग्रामीण उद्यमिता से जुड़े प्रावधान यह संकेत देते हैं कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की मंशा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। मेडिकल सुविधाओं, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से ग्रामीण भारत में जीवन की गुणवत्ता सुधरने की संभावना बढ़ती है। यह आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना को साकार करता है जिसमें गांव मजबूत होंगे तो देश स्वतः मजबूत होगा। नारी शक्ति के सशक्तिकरण के संदर्भ में भी बजट का दृष्टिकोण तुलनात्मक रूप से व्यापक है। महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े विशेष प्रावधान यह दर्शाते हैं कि महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। गरीबों और वंचित वर्गों के लिए लक्षित योजनाएं इस बजट को सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी संतुलित बनाती हैं। समीक्षात्मक रूप से देखा जाए तो यह बजट कल्याण और विकास के बीच संतुलन साधने का प्रयास करता है, जो किसी भी दीर्घकालिक आर्थिक नीति की अनिवार्य शर्त है।

युवाओं के लिए यह बजट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्टार्टअप, नवाचार, स्किल इंडिया, रोजगार सृजन और नई तकनीकों में निवेश युवाओं की आकांक्षाओं को संबोधित करता है। यदि इसे आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के संदर्भ में देखा जाए तो यह भी स्पष्ट होता है कि बजट में क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक यथार्थ का भी ध्यान रखा गया है। हालांकि आलोचक इसे चुनावी बजट कह सकते हैं, लेकिन विवेचनात्मक दृष्टि से यह कहना अधिक उचित होगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में बजट का जन-आकांक्षाओं से जुड़ा होना स्वाभाविक है।

इसी फिल्म के ...

सुभाष शिरढोनकर

फिल्म प्रोडक्शन में सक्रिय होना चाहती हैं ममता मोहनदास

14 नवंबर 1984 को, कन्नूर के रहने वाले मलयाली माता-पिता (मोहनदास और गंगा) के घर बहरीन में पैदा हुई मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्म एक्ट्रेस, ममता मोहनदास एक प्ले बेक सिंगर भी हैं। साल 2006 में ममता तेलुगु में सर्वश्रेष्ठ फीमेल प्ले बेक सिंगर के दो फिल्मफेयर पुरस्कार सहित साल 2010 में मलयालम में बेस्ट एक्ट्रेस और बेस्ट एक्ट्रेस केटेगरी में केरल राज्य फिल्म पुरस्कार जीत चुकी हैं । ममता ने आईबीएम और कल्याण केंद्र जैसी कंपनियों के लिए प्रिंट विज्ञापनों के लिए मॉडलिंग की, और मैसूर महाराजा और रेमंड्स के लिए रैंप पर मॉडलिंग की। ममता ने कर्नाटक संगीत और हिंदुस्तानी संगीत में बाकायदा प्रशिक्षण प्राप्त किया है। ममता मोहनदास ने साल 2005 में हरिहरन द्वारा निर्देशित मलयालम फिल्म 'मयूखम' से एक्टिंग में डेब्यू किया। लेकिन उनकी यह पहली फिल्म बॉक्स ऑफ़िस पर कुछ ज्यादा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। इसके बाद वह ममूटी के साथ फिल्म 'बस कंडक्टर' (2005), सुरेश गोपी के साथ 'सिवापथिगरम' (2006), 'लंका' (2006) और जयराम के साथ 'मधुचंद्रलेखा' (2006) जैसी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने मोहनलाल के साथ 'बाबा कल्याणी' (2006) में भी मुख्य भूमिका निभाई। ममता मोहन दास ने कारू पझनिअप्पन द्वारा निर्देशित फिल्म 'शिवप्पतिगाराम' (2006) से तमिल फिल्म उद्योग में डेब्यू किया। एसएस राजामौली व्दारा निर्देशित फिल्म 'यामाडोंगा' (2007) में ममता एक सहायक भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म के जरिए उन्होंने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म के 2 गीतों के लिए उन्होंने प्ले बेक भी किया। साल 2008 में कन्नड़, तमिल और तेलुगु में बनी ममता की 7 फिल्में आईं। इनमें से ज्यादातर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। 2009 में ममता मोहन दास, आर

माधवन के साथ कॉमेडी फिल्म 'गुरु एन आलू' में नजर आईं। फिल्म 'पैसेंजर' (2009) में ममता व्दारा एक टेलीविजन रिपोर्टर का जो किरदार निभाया उसके लिए उन्हें अत्य अधिक प्रशंसा मिली। यह किरदार उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। साल 2010 की सथ्यन एंथिक्कड द्वारा निर्देशित फिल्म 'काधा थुदारुन्नु' के लिए ममता को फिल्मफेयर की और से पहला बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड मिला। इसी फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस केटेगरी के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार भी मिला। साल 2011 में ममता फिल्म 'रेस' में एक कार्डियो सर्जन की पत्नी निया की भूमिका में नजर आईं। साल 2012 में, वह मगिज़ थिरुमेनी द्वारा निर्देशित फिल्म, 'थडैयारा थाक्का' में दिखाई दीं। साल 2013 में उन्होंने इंद्रजीत के साथ 'पैसा पैसा' में काम किया। 2014 की फिल्म 'टू नूरा विद लव' में उन्होंने एक मुस्लिम लड़की नूरजहां का शानदार किरदार निभाया। साल 2017 से साल 2023 तक छह सालों में ममता करीब दो दर्जन फिल्मों मे नजर आईं। क्राइम थ्रिलर फीचर फिल्म 'फोरेंसिक' (2020) में उन्होंने रितिका जेवियर आईपीएस की बेहद शानदार भूमिका निभाई। साल 2010 में ममता मोहनदास को पहली बार कैंसर होने का पता चला। शुरूआती इलाज के बाद लगा कि वह कैंसर से मुक्त हो चुकी हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ.वेदप्रकाश

मासिक धर्म स्वास्थ्य पर सुप्रीम निर्णय के निहितार्थ

नारी सृष्टि है। संतान के रूप में बच्चे को जन्म देकर वह इस सृष्टि चक्र को निरंतरता प्रदान करती है। मासिक धर्म संतान उत्पत्ति हेतु तो विशेष है ही, यह महिलाओं के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह एक प्राकृतिक और जैविक प्रक्रिया है। एक अवस्था में मासिक धर्म का आरंभ होना और एक अवस्था तक इसकी निरंतरता किसी भी महिला के अच्छे स्वास्थ्य और गर्भधारण की क्षमता का संकेत देती है। किसी भी स्वस्थ महिला में मासिक धर्म की प्रक्रिया लगभग 5 से 6 दिन चलती है। इसमें शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और गर्भाशय आंतरिक रूप से स्वच्छ और स्वस्थ होता है। महिलाओं में मासिक धर्म यह भी सुनिश्चित करता है कि प्रजनन अंग स्वस्थ हैं और ठीक से काम कर रहे हैं। हमारा शरीर हार्मोनल संतुलन से चलता है। हारमोंस का घटना या बढ़ता उसे अस्वस्थ बनाता है। महिलाओं में मासिक धर्म उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे आवश्यक हार्मोन्स को नियंत्रित रखता है। मासिक धर्म महिलाओं के शरीर से अतिरिक्त आयरन और टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर होने में सहायता मिलती है। यह विडंबना ही है कि महिला स्वास्थ्य से जुड़े हुए इस प्रकार के महत्वपूर्ण विषय को समाज में कई बार हीनता की भावना एवं घृणा की दृष्टि से देखा जाता है। जानकारी के अभाव में मासिक धर्म की स्थिति में सेनेटरी नैपकिन के स्थान पर गंदे कपड़े अथवा अस्वस्थ तरीके अपनाए जाते हैं। कम उम्र की बेटियों को इस विषय में समुचित जानकारी न होने के कारण कई बार अपमान भी झेलना पड़ता है। घर की समझदार और उम्र में बड़ी महिलाएं भी उन्हें ठीक प्रकार से जानकारी देने के स्थान पर डांटती-फटकारती हैं। आज भी देश में कुछ स्थानों पर मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को रसोई अथवा घर के अन्य लोगों से अलग रखा जाता है। ऐसी स्थिति में कई बार महिलाओं को मानसिक तनाव एवं प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है। जानकारी न होने के कारण महिलाएं लंबे समय तक एक ही सैनेटरी नैपकिन का प्रयोग करती हैं। यह अस्वस्थ प्रेक्टिस है। सेनेटरी पैड को समय-समय पर बदलना अनिवार्य है। ऐसा न होने की स्थिति में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। मासिक धर्म के दौरान पौष्टिक भोजन एवं समुचित देखभाल आवश्यक है। इसके अभाव में स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। सकारात्मक यह भी है कि देश के कुछ प्रदेश ऐसे भी हैं जहां पर पहली बार मासिक धर्म की सूचना मिलने

पर परिवारों में उत्सव मनाया जाता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल जाने वाली लड़कियों के मासिक धर्म स्वास्थ्य पर अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने मासिक धर्म स्वास्थ्य को जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा बताते हुए शहरों व गांवों के निजी एवं सरकारी स्कूलों में लड़कियों को मुफ्त सेनेटरी पैड मुहैया कराने के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा है कि स्कूल जाने वाले सभी लड़कियों व लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जाएं और उनमें साबुन व निरंतर पानी की व्यवस्था की जाए। 126 पृष्ठ के फैसले में माननीय न्यायाधीशों ने कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। पीठ ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को जीवन के अधिकार और मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से जोड़ते हुए कहा है कि मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों की अनुपलब्धता लड़कियों की गरिमा को ठेस पहुंचाती है। मासिक धर्म स्वास्थ्य संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत आता है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है क्योंकि आज भी देश के अनेक हिस्सों में स्कूलों में शौचालय ही नहीं हैं। कहीं शौचालय हैं तो उनमें पानी नहीं है। कहीं पानी है तो उनमें दरवाजे नहीं हैं। इस दृष्टि से देश के सरकारी स्कूलों की स्थिति बेहद खराब है। अनेक स्कूलों में न तो कूड़ेदान हैं और न ही कूड़े के प्रबंधन के लिए ढांचागत सुविधाएं। कई बार बजट की कमी के कारण ये ढांचागत सुविधाएं तैयार नहीं हो पाती तो कई बार इन सुविधाओं के लिए मिला बजट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। कभी जांच पड़ताल होती है तो फिर ढाक के तीन पात यानी स्थिति फिर बदहाल ही बनी रहती है। अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्येक स्कूल में आक्सो बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी नैपकिन निशुल्क उपलब्ध करवाने और उनके मानकों के अनुरूप होने की बात कही है। आदेश में यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक स्कूल में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन स्थल स्थापित हो। जहां अतिरिक्त अंतः वस्त्र, अतिरिक्त यूनिफॉर्म, डिस्पोजल बैग, मासिक धर्म से संबंधित आपात स्थितियों से निपटने के अन्य सामान उपलब्ध हों। सभी स्कूलों में सैनेटरी नैपकिन के निपटान के लिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नवीनतम सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल के मुताबिक सुरक्षित स्वच्छ पर्यावरण अनुकूलन तंत्र हो। शौचालय में एक ढका हुआ कूड़ेदान होना चाहिए और उसकी नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी। न्यायालय ने विशेष यह भी कहा है कि एनसीईआरटी और राज्य अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को लिंग संवेदनशील पाठ्यक्रम शामिल करना होगा ताकि मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े कलंक व वर्जनाओं को दूर किया जा सके। ध्यातव्य है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्कूल से ड्रॉप आउट विषय पर गंभीरता से विचार हुआ है। क्योंकि वहां यह माना गया है कि कक्षा 5 से 8 के बाद नामांकित छात्रों का एक महत्वपूर्ण अनुपात शिक्षा प्रणाली से बाहर हो जाता है। इसलिए यह ड्रॉप आउट न हो इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। वहां लिखा है- ड्रॉपआउट रोकने के लिए प्रभावी और पर्याप्त बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा ताकि सभी छात्रों को इसके माध्यम से प्री प्राइमरी स्कूल से कक्षा 12 तक सभी स्तरों पर सुरक्षित और आकर्षक स्कूली शिक्षा प्राप्त हो सके। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद लंबे समय बीतने पर भी अभी अनेक विद्यालयों में पर्याप्त बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं है। अनेक विद्यालयों में बच्चों को मजबूरन खुले में बैठकर पढ़ना पड़ता है। लघु शंका आदि के लिए भी शौचालय न होने के कारण वे खुले में ही लघु शंका के लिए जाते हैं। क्या यह स्थिति एक संवेदनशील समाज के लिए और विद्यालय जैसे स्थान के आसपास के वातावरण के लिए लज्जाजनक नहीं है? यद्यपि पूर्व में भी कई बार मासिक धर्म स्वास्थ्य को लेकर चर्चाएं हुई हैं, राष्ट्रीय राजधानी और देश के महानगरों में इस विषय पर बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार भी आयोजित किए जाते हैं लेकिन उसके व्यवहारिक स्वरूप पर अर्थात ढांचागत अनिवार्यताओं पर कभी ध्यान नहीं दिया जाता। माननीय सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला महिलाओं के स्वास्थ्य की दिशा में निर्णायक सिद्ध होगा। यदि यह फैसला समुचित रूप में और सही प्रकार से लागू होगा तो इससे विद्यालयों से ड्रॉप आउट रेट में भी कमी आएगी।

भारत अंडर-19 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचा

पाकिस्तान को 58 रन से हराया, वेदांत की फिफ्टी, आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल को 3-3 विकेट

बुलवायो, एजेंसी

भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने पाकिस्तान को 58 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे के बुलवायो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 252 रन का स्कोर खड़ा किया। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन की पारी खेली। पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 253 रन का लक्ष्य 33.3 ओवर में हासिल करना था। टीम 46.2 ओवर में 194 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान ने 66 रन बनाए, जबकि भारत की तरफ से कप्तान आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल ने 3-3 विकेट लिए। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन बनाकर टीम को 200 के करीब पहुंचाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंद पर 30 रन ही बना सके। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल पाए। आखिर में कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने

फिफ्टी पार्टनरशिप कर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। पाकिस्तान से अब्दुल सुभान ने 3 और मोहम्मद सय्याम ने 2 विकेट लिए। 46.2 ओवर में खिलन पटेल ने तीसरा विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी को 194 रन पर समेट दिया। खिलन पटेल ने मिडिल-ऑफ स्टंप पर फ्लैट लेंथ फेककर हुजैफा अहसन को बोल्ड कर दिया। हुजैफा 30 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट हुए। 44.2 ओवर में पाकिस्तान का 9वां विकेट गिरा। खिलन पटेल की लेंथ गेंद को मोहम्मद सय्याम ने लेग साइड की ओर खेला, लेकिन चूक गए और विकेट के पीछे कुंडू ने आसान कैच लपक लिया।

भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से

अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मैच 4 फरवरी को दोपहर 1 बजे से हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। मैच 3 फरवरी को दोपहर 1 बजे से बुलवायो में खेला जाएगा।

66 30वें ओवर में पाकिस्तान ने कप्तान फरहान यूसुफ का विकेट भी गंवा दिया। ओवर की चौथी गेंद आरएस अम्ब्रिश ने गुड लेंथ पर स्लोअर फेंकी। फरहान ने बड़ा शॉट खेला, लेकिन लॉन्ग ऑन पर खिलन पटेल के हाथों कैच हो गए। फरहान ने 39 गेंद पर 38 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

प्लेयर ऑफ द मैच कनिष्क चौहान बने

भारत की जीत के हीरो कनिष्क चौहान रहे। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कनिष्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में 35 रन की तेज पारी खेली। इसके बाद बॉलिंग करते हुए उन्होंने 10 ओवर में एक मेडन फेंकते हुए 30 रन दिए। कनिष्क ने विकेटकीपर हमजा जुहूर को 42 रन पर आउट किया।

कनिष्क ने हमजा जहूर को बोल्ड किया

17वें ओवर में भारत को दूसरा विकेट मिला। ओवर की आखिरी बॉल कनिष्क चौहान ने गुड लेंथ पर फेंकी। हमजा जहूर स्वीप शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद उनके पैड्स से लगकर स्टंप्स से टकरा गई। हमजा ने 42 रन बनाए। उस्मान खान और हमजा जहूर ने दूसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। पाकिस्तान ने 23 रन पर पहला विकेट गंवाया था। 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर 1 विकेट के नुकसान पर 87 रन रहा। ऑफ स्पिनर कनिष्क चौहान ने 15वें ओवर में 2 ही रन दिया। उन्होंने उस्मान खान और हमजा जहूर के खिलाफ 4 गेंदें डॉट करा दीं।

वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन की पारी खेली।

हरियाणा का कनिष्क अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्डकप में चमका

पाकिस्तान के खिलाफ मैन ऑफ द मैच, मां बोलीं- कहा था धुम्मे ठावेगा

झज्जर, एजेंसी

हरियाणा में झज्जर के रहने वाले कनिष्क चौहान ने अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रविवार रात को कनिष्क के कुलाना गांव में आतिशबाजी की गई। जिम्बाब्वे में चल रहे वर्ल्ड कप मैच में रविवार को कनिष्क ने पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर 35 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। बेटे को मैन ऑफ द मैच का खिताब मिलने के बाद मां ने कहा कि हमें तो पहले ही पता था कि वो धुम्मा ठावेगा (कुछ खास करके दिखाएगा)। 9 फरवरी को कुलाना गांव में कनिष्क का स्वागत समारोह रखा गया है। इसी दिन रात को परिवार की तरफ से जागरण भी कराया जाएगा। कनिष्क चौहान ऑलराउंडर हैं। इस बार वह इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की टीम में खेलेंगे। कनिष्क को RCB ने 30 लाख रुपए के बेस प्राइस में टीम में शामिल

किया है। कनिष्क की मां सरिता चौहान ने कहा कि बेटे की इस उपलब्धि पर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ कनिष्क चौहान ने दूसरी बार सही मौके पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रात में बेटे से बात करने के बाद ही उन्हें नींद आई। बेटे ने जीत और खिताब मिलने की खुशी परिवार के साथ शेयर की। कनिष्क के पिता प्रदीप कुमार खेतीबाड़ी करते हैं और माता सरिता गृहिणी हैं। कनिष्क का जन्म 26 सितंबर 2006 को हुआ। वह परिवार के इकलौते बेटे हैं। कनिष्क ने बचपन से ही क्रिकेट में दिलचस्पी दिखाई। 4 साल की उम्र में ही गाजियाबाद में एकेडमी जॉइन की।

फास्ट न्यूज

डब्ल्यूपीएल एलिमिनेटर में दिल्ली

वडोदरा। वडोदरा में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) के आखिरी लीग मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वारियर्ज को 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ दिल्ली ने WPL के एलिमिनेटर के लिए क्वालिफाई कर लिया। दिल्ली की इस जीत से दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यूपी वॉरियर्ज आखिरी पायदान पर रही। दिल्ली ने 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ 8 पॉइंट्स लेकर लीग स्टेज तीसरे नंबर पर खत्म किया।

नीलम शाहरुख-गौरी के नजदीक आने की वजह बनीं

नई दिल्ली। एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने हाल ही में कहा कि शाहरुख खान और गौरी की लव स्टोरी में उनका भी बड़ा हाथ रहा है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी फिल्मों की वजह से दोनों की नजदीकियां बढ़ी थीं। दरअसल, हाल ही में नीलम टीवी शो इंडियन आइडल में पहुंची थीं, जहां एक्ट्रेस ने बताया कि कुछ महीने पहले शाहरुख खान ने उनसे कहा था, "नीलम, तुम्हें पता है, गौरी और मेरी शादी की एक वजह तुम भी हो।" नीलम ने आगे बताया कि शाहरुख ने इसके पीछे की पूरी कहानी भी उन्हें समझाई। उन्होंने कहा कि जब नीलम फिल्मों में काम कर रही थीं, तब शाहरुख और गौरी उनके बहुत बड़े फैन हुआ करते थे। इसी वजह से दोनों साथ में नीलम की फिल्में देखने जाया करते थे। एक्ट्रेस के मुताबिक, उन फिल्मों के दौरान शाहरुख और गौरी के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे दोनों की लव स्टोरी आगे बढ़ती चली गई। शो में नीलम ने कहा कि तो शाहरुख और गौरी के साथ होने की एक वजह मैं भी हूं।

ब्रिटिश प्रिंस ने एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजी

लंदन। ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू ने 2008 में यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को अपनी बेटियों की तस्वीरें भेजीं थी। यह खुलासा 2010 और 2011 के ईमेल्स से हुआ है, जिसे जस्टिस डिपार्टमेंट ने 30 जनवरी को जारी किया था। प्रिंस एंड्रयू की तरफ से एपस्टीन को 20 दिसंबर 2012 को एक कार्ड भेजा गया। इसमें कुल 4 तस्वीरें थीं। दो तस्वीरों में प्रिंसेस बीट्रिस को फरवरी 2012 में मोंट ब्लांक पर चढ़ाई करते हुए दिखाया गया है।

ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026- केंड्रिक लेमर ने 28 अवॉर्ड जीते

लेडी गागा और जस्टिन बीबर की शानदार परफॉर्मेंस

मुंबई। लॉस एंजेलिस में 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन हुआ। इस दौरान केंड्रिक लेमर ने बेस्ट रैप एल्बम का अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया। वह अब इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बार ग्रैमी जीतने वाले रैपर बन गए हैं। वहीं, तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपना पहला ग्रैमी अवॉर्ड जीता। केंड्रिक लैमर को इस साल ग्रैमी में 9 नॉमिनेशन मिले थे। उन्होंने कई बड़े अवॉर्ड जीते। अब उनके पास कुल 26 ग्रैमी अवॉर्ड हैं। बेस्ट रैप एल्बम और बेस्ट रैप सॉन्ग जीतकर उन्होंने हिप-हॉप म्यूजिक में इतिहास बना दिया। इस जीत के साथ केंड्रिक ने Jay-Z का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस बार का ग्रैमी अवॉर्ड्स बेहद खास रहा, क्योंकि सिर्फ पॉप और रैप ही नहीं बल्कि आध्यात्मिकता की भी झलक भी देखने को मिली। 90 साल की उम्र में तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने बेस्ट ऑडियो बुक, नरेशन और स्टोरीटेलिंग कैटेगरी में

अपना पहला ग्रैमी अवॉर्ड जीता। यह अवॉर्ड उन्हें अपने एल्बम 'मेडिटेशनः द रिफ्लेक्शन्स ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा' के लिए मिला। 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 को ट्रेवर नोआ ने होस्ट किया। रविवार रात (भारत में सोवार की सुबह) इस म्यूजिकल नाइट में कई दिग्गज कलाकारों ने शानदार परफॉर्मेंस दी। लेडी गागा, जस्टिन बीबर, फैरेल विलियम्स और पॉप सेंसेशन सबरीना कारपेंटर ने अपने हिट गानों पर परफॉर्म कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

4 गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हुई, लॉरेंस गैंग के शुभम लोंकर के साथ मिलकर रची साजिश

रोहित शेट्टी फायरिंग केस

मुंबई। मुंबई में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर शनिवार देर रात चार राउंड फायरिंग हुई। पुलिस ने रविवार को इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपी पुणे के रहने वाले हैं। इनके नाम आदित्य ज्ञानेश्वर गायकवाड़ (19 साल), सिद्धार्थ दीपक येनपुरे (20 साल), समर्थ शिवशरण पोमाजी (18 साल) और स्वप्निल बंडू सकट (23 साल) हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 109 और 61(2) के साथ शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 37(1), 37(2) और 135 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें 5 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपियों की भूमिका घटना के लिए वाहन उपलब्ध कराने और साजिश रचने से जुड़ी हुई है। वहीं, पांचवें आरोपी शुभम लोंकर को वांटेड घोषित किया गया है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस जांच के अनुसार, गिरफ्तार

पोस्ट में लिखा- अगली बार छाती पर गोली लगेगी

इस पोस्ट में लिखा गया था, सभी भाइयों को आज जो ये मुंबई में (शेट्टी टावर) फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी शुभम लोनकर, आरजू बिश्नोई, हरि बॉक्सर, हरमन संधू हम लेते हैं।

आरोपियों ने शुभम लोनकर के संपर्क में रहकर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी को हर तरह की मदद उपलब्ध कराई। जांच

शनिवार देर रात हुई थी फायरिंग

पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने मुंबई के जुहू इलाके में स्थित नौ मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर रात करीब 12:45 बजे फायरिंग की थी। उन्होंने बताया था कि कम से कम पांच राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें से एक गोली इमारत में बने जिम के शीशे से टकराई थी। वहीं, इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में एक स्क्रीनशॉट शेयर कर दावा किया था कि लॉरेंस गैंग ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह स्क्रीनशॉट शुभम लोंकर आरजू बिश्नोई नाम के अकाउंट की फेसबुक पोस्ट का है।

में यह भी सामने आया है कि शुभम लोंकर से मिली आर्थिक सहायता के जरिए ही मुख्य आरोपी के लिए वाहन की व्यवस्था की गई थी।

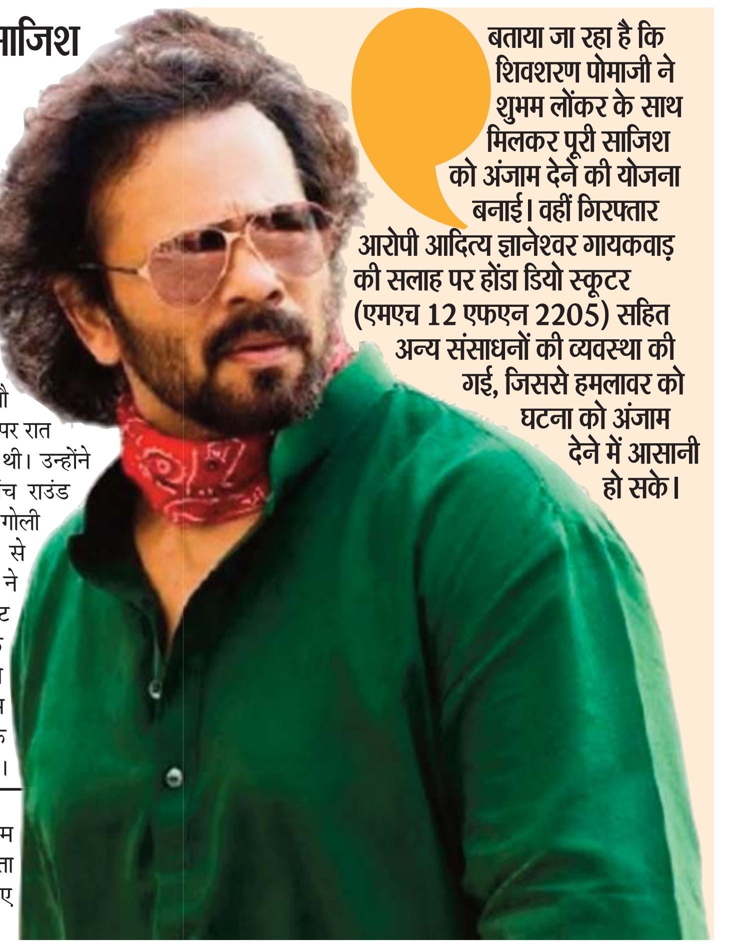

बताया जा रहा है कि शिवशरण पोमाजी ने शुभम लोंकर के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने की योजना बनाई। वहीं गिरफ्तार आरोपी आदित्य ज्ञानेश्वर गायकवाड़ की सलाह पर होंडा डियो स्कूटर (एमएच 12 एफएन 2205) सहित अन्य संसाधनों की व्यवस्था की गई, जिससे हमलावर को घटना को अंजाम देने में आसानी हो सके।

पाकिस्तानी नेता बोले- हमारा जीरो-टैरिफ हनीमून खत्म, अरबों डॉलर के नुकसान का खतरा

भारत-ईयू डील से पाकिस्तान में 1 करोड़ नौकरियां खतरे में

इस्लामाबाद, एजेंसी

भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) से पाकिस्तान में 1 करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। उसे अरबों डॉलर के नुकसान का भी डर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने इस समझौते को लेकर गुरुवार को कहा कि वह EU के अधिकारियों के संपर्क में है। वो ये समझने की कोशिश कर रहा है कि भारत-EU FTA का उसके निर्यात पर क्या असर पड़ेगा। अब भारत और EU के बीच हुआ यह फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है, भारत को यूरोप में बिना टैक्स के बड़ा बाजार देता है। इससे पाकिस्तान की वह बढ़त लगभग खत्म हो जाती है। इसके साथ ही पाकिस्तान की GSP प्लस सुविधा, जो उसे 2014 में मिली थी, दिसंबर 2027 में खत्म होने

वाली है। अगर इसे आगे नहीं बढ़ाया गया, तो पाकिस्तान को यूरोप में मिलने वाली यह खास व्यापार सुविधा पूरी तरह खत्म हो सकती है। FPCCI के उपाध्यक्ष साकिब फैयाज मगून ने कहा कि जैसे ही भारत को EU में बिना टैक्स के पहुंच मिलेगी, पाकिस्तान की बढ़त खत्म हो जाएगी और उसके निर्यात को भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक बार बाजार हाथ से निकल गया, तो उसे वापस पाना बहुत मुश्किल होता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि GSP प्लस योजना पाकिस्तान और EU दोनों के लिए फायदेमंद रही है। इसके जरिए यूरोप को सस्ते कपड़े और रेडीमेड सामान की लगातार आपूर्ति मिलती रही है। उन्होंने बताया कि जीएसपी प्लस का मुद्दा पिछले साल हुई रणनीतिक बातचीत में उठा था और इसके बाद EU और उसके सदस्य देशों के साथ कई बैठकों में इस पर चर्चा हुई है। पाकिस्तान इस मामले को ब्रसेल्स स्थित EU के मुख्यालय और अलग-अलग सदस्य देशों के साथ लगातार उठा रहा है। इस समझौते के लागू होने के बाद भारत के करीब 95% लेबर बेस्ड प्रोडक्ट्स को EU में बिना टैक्स के पहुंच मिलेगी। वहीं यूरोप से भारत आने वाली लग्ज़री कारें और वाइन भी सस्ती हो जाएंगी। भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद 27 जनवरी को FTA हुआ। भारत और यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने मंगलवार को 16वें भारत-EU समिट के दौरान इसका ऐलान किया।

> **वहीं, पाकिस्तान के पूर्व वाणिज्य मंत्री गोहर एजाज ने सोशल मीडिया पर लिखा- ईयू के साथ पाकिस्तान का 'जीरो-टैरिफ हनीमून' खत्म हो गया है और करीब एक करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। सरकार उद्योगों को सस्ती बिजली, कम टैक्स और आसान कर्ज दे, ताकि वे दूसरे देशों की इंडस्ट्री से मुकाबला कर सकें।**

यूरोपीय मार्केट में पाकिस्तान की बढ़त खत्म होने का खतरा

पाकिस्तान इस डील से परेशान इसलिए है क्योंकि लंबे समय से उसे यूरोपीय मार्केट में भारत पर बढ़त हासिल थी। इसकी वजह EU की GSP प्लस योजना थी। इस योजना के तहत पाकिस्तान को अपने करीब 66% उत्पादों को बिना टैक्स के यूरोप भेजने की सुविधा मिली हुई थी। इसमें कपड़ा और रेडीमेड कपड़े जैसे सामान शामिल थे। वहीं भारत को ऐसे ही सामान पर 9 से 12% तक टैक्स देना पड़ता था। इसके बावजूद पाकिस्तान का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 6.2 अरब डॉलर रहा, जबकि भारत का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 5.6 अरब डॉलर का था।

ईयू पाकिस्तान का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट

EU पाकिस्तान का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। ऐसे में पाकिस्तान के कारोबारी वर्ग को डर है कि इस समझौते के बाद वह यूरोपीय बाजार में अपनी पकड़ खो सकता है और दूसरे देशों से मुकाबला और कठिन हो जाएगा। ऑल पाकिस्तान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के प्रमुख कामरान अरशद ने कहा कि भारत अब यूरोपीय बाजार में काफी ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो गया है। कई सेक्टर्स में पाकिस्तान की GSP प्लस बढ़त खत्म हो चुकी है।

दावा : मक्का के काबा का पवित्र कपड़ा एपस्टीन को गिफ्ट

यूएआई की महिला कारोबारी ने भिजवाया

रियाद, एजेंसी

अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए जारी हुए फाइल्स में खुलासा हुआ है कि 2017 में मक्का स्थित काबा से जुड़े पवित्र कपड़े के तीन टुकड़े अमेरिका भेजे गए थे। ये खेप एपस्टीन के फ्लोरिडा स्थित घर तक पहुंचे थे। दस्तावेजों के मुताबिक, फरवरी और मार्च 2017 मे यह शिपमेंट UAE से जुड़ी एक बिजनेसवुमन अजीजा अल-अहमदी ने सऊदी अरब के एक व्यक्ति अब्दुल्लाह अल-मारी के साथ मिलकर कराई थी। ईमेल्स में बताया गया है कि ये तीनों टुकड़े 'किस्वा' से जुड़े थे। किस्वा काला रंग का सुनहरी कढ़ाई वाला कपड़ा होता है, जो काबा को ढकता है। इस्लाम में इसे पवित्र माना जाता है। हज के दौरान करोड़ों मुसलमान इसे छूते हैं। ईमेल्स में यह साफ नहीं है कि अल-अहमदी की एपस्टीन से मुलाकात कैसे हुई या ये पवित्र टुकड़े उसे क्यों भेजे गए।

दस्तावेजों में इसका कोई सीधा जवाब नहीं मिलता। अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी को जेफ्री एपस्टीन जांच से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, 2,000 वीडियो और 1.8 लाख तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। इनमें कस्टम, इनवॉइस और अमेरिका में डिलीवरी की पूरी व्यवस्था की गई थी। इन तीन टुकड़ों में से एक काबा के अंदर का हिस्सा था, दूसरा बाहर की परत का इस्तेमाल किया हुआ टुकड़ा था और तीसरा इस्तेमाल न किया गया टुकड़ा था। ईमेल्स में इस टुकड़े को 'आर्टवर्क' के रूप में क्लासिफाई करके शिपमेंट को आसान बनाने की बात कही गई है।

गिरावट : सोना भी गिरकर ₹1.40 लाख पर आया, मुनाफा वसूली से गिर रही कीमतें

चांदी तीन दिन में ₹1.60 लाख गिरी, ₹2.41 लाख/किलो हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पेश होने के एक दिन बाद यानी आज, 2 फरवरी को गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार तीसरे दिन गिरावट है। आज यानी 2 फरवरी को वायदा बाजार में चांदी करीब 23 हजार रुपए (9%) गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 2.41 लाख रुपए पर आ गया। सोने में भी करीब 7 हजार रुपए (6%) की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.40 लाख रुपए पर आ गया है। वायादा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर सोने के दाम में दो दिन में 30 हजार रुपए की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 1.69 लाख रुपए पर पहुंच गया था, जो आज 1.40 लाख रुपए पर ट्रेड कर रहा है। चांदी की कीमत में 1.60 लाख रुपए की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 4.01 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी, जो आज 2.40 लाख रुपए पर ट्रेड कर रही है। सेबी रजिस्टर्ड कमोडिटी एक्सपर्ट अनुज गुप्ता ने कहा कि शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज (CME) ने कॉपर के बाद अब सोने और चांदी पर भी मार्जिन मनी बढ़ा दी है। सोने पर मार्जिन 6% से बढ़ाकर 8% कर दिया है। वहीं चांदी पर इसे 11% से बढ़ाकर 15% कर दिया गया है। मार्जिन बढ़ने से कीमतों पर दबाव बने रहने की उम्मीद है। कमोडिटी मार्केट में जब कोई बड़ा सौदा करता है, तो उसे पूरे पैसे तुरंत नहीं देने होते। उसे कुल कीमत का एक छोटा हिस्सा सिक्योरिटी के तौर पर जमा करना पड़ता है, जिसे 'मार्जिन' कहते हैं। मार्जिन बढ़ने का मतलब है कि अब ट्रेडर्स को ज्यादा पैसा लगाना पड़ेंगे। कई ट्रेडर्स ऐसे होते हैं जिन्होंने पहले से खरीदारी की हुई है। मार्जिन बढ़ते ही एक्सचेंज उनसे एक्स्ट्रा पैसे मांगता है। अगर उनके पास तुरंत पैसा नहीं है, तो उन्हें अपना सोना या चांदी बेचना पड़ता है।

सोने-चांदी में गिरावट की 2 वजह

- **प्रॉफिट बुकिंग:** सोने-चांदी की कीमत हाल के दिनों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुक किया।
- **फिजिकल डिमांड में कमी:** ऑल टाइम हाई के बाद फिजिकल डिमांड कमजोर हुई, साथ ही औद्योगिक उपयोग को लेकर चिंताएं भी बढ़ीं।

सर्राफा बाजार में 2.36 लाख पर आई चांदी

सर्राफा बाजार में भी आज चांदी 29,255 रुपए और सोना 6,427 रुपए सस्ता हुआ है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 2,36,496 रुपए किलो पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,270 रुपए पर आ गया है।

तीन दिन मे सोना 18% और चांदी 40% सस्ती हुई

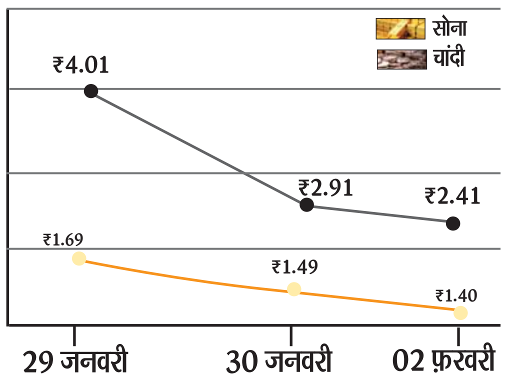

बजट के बाद शेयर बाजार में तेजी

सेंसेक्स 500 अंक चढ़कर 81,200 पर, निफ्टी 100 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

बजट के एक दिन बाद आज यानी 2 फरवरी (सोमवार) को शेयर बाजार में तेजी है। सेंसेक्स 500 अंक चढ़कर 81,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 100 अंक की तेजी है। ये 25,000 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट है। निफ्टी के ऑटो, IT और FMCG सेक्टर में बिकवाली है। वहीं मेटल और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी देखने को मिल रही है। कल 1 फरवरी को बजट पेश होने के बाद बाजार में तेज गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1546 अंक यानी करीब 2% गिरकर 80,722 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 495 अंक टूटा, ये 24,825 के स्तर पर बंद हुआ। सरकार ने फ्यूचर्स ट्रेडिंग पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% किया। ऑप्शंस प्रीमियम और एक्सरसाइज पर भी STT को बढ़ाकर 0.15% किया है।

इस कारण बाजार में तेज गिरावट रही। विदेशी निवेशकों (FII) ने 1 फरवरी को 588 करोड़ के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने 682 करोड़ की बिकवाली की थी। दिसंबर 2025 में FIIs ने कुल 34,350 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान बाजार को संभाल रहे DIIs ने 79,620 करोड़ के शेयर खरीदे थे। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.26% गिरकर 53,186 पर और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 4.33% नीचे 4,998 कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 2.33% गिरकर 26,748 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.32% नीचे 4,063 पर ट्रेड कर रहा है। 30 जनवरी को अमेरिका का डाउ जोंस 0.36% गिरा, नैस्डैक 0.94% गिरकर बंद हुआ था। STT यानी सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स एक तरह का डायरेक्ट टैक्स है जो शेयर बाजार में होने वाली हर खरीद-बिक्री पर लगता है। यह टैक्स आपको तब भी देना पड़ता है, जब आपको घाटा हो रहा हो। यह सीधे आपकी ट्रांजैक्शन वैल्यू पर कटता है और स्टॉक एक्सचेंज इसे सरकार के पास जमा कर देता है। टैक्स दरें बढ़ने से अब आपको एक ही ट्रांजैक्शन के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। फ्यूचर्स ट्रेडिंग पर लगने वाले STT को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% किया। जब किसी शेयर या इंडेक्स का फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट बेचते हैं, तो उसकी पूरी वैल्यू पर यह टैक्स लगता है। अगर कोई ऑप्शन एक्सपायरी तक रखा और वह फायदे में रहा, तो सेटलमेंट के वक्त लगने वाला टैक्स एक्सरसाइज STT कहलाता है। इसे 0.125% से बढ़ाकर 0.15% किया।

फ्लैट में फंदे से लटकता मिला शव, इंस्टा पर लिखा- आपका बुरा भगवान नहीं हम करेंगे

बीजेपी विधायक के भतीजे ने जान दी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गोंडा के मेहनौन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक विनय कुमार द्विवेदी के भतीजे शिवम त्रिपाठी का शव उनके फ्लैट में मिला है। बेडशीट के सहारे पंखे से उनका शव लटका हुआ था। परिजनों का आरोप है कि शिवम के पार्टनर्स ने उनके साथ धोखाधड़ी कर पैसों का घपला किया था, जिसकी वजह से वह काफी दिनों से परेशान चल रहे थे। इस मामले में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में परिजनों ने आरोपी पार्टनर्स के खिलाफ तहरीर दी है। करीब एक सप्ताह पहले, 24 जनवरी को शिवम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट भी किया था। जिम करते हुए वीडियो शेयर कर उन्होंने लिखा था-"आपका बुरा भगवान नहीं, हम करेंगे।" वीडियो के बैकग्राउंड में गाना चल रहा था- "हम थोड़े अलग किस्म के आदमी हैं भक्त जी। सब काम भगवान के भरोसे नहीं छोड़ते हैं। अगर हमारा बुरा आपने किया है, तो भरोसा रखें, आपका

शिवम त्रिपाठी ने इंस्टा पर कई दबंगई वाले पोस्ट किए थे।

बुरा भगवान नहीं, हम ही करेंगे।" पुलिस पहुंची तो परिजन को बुलाया गया। शव को नीचे उतरवाया। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि शिवम प्रॉपर्टी का काम करते थे। काफी समय से उसके साथ काम करने वाले उसको पैसा नहीं दे रहे थे। कई बार शिवम ने उन लोगों से पैसे मांगे थे, उन लोगों की तरफ से कोई जवाब नहीं आया था। इससे शिवम मानसिक तौर पर काफी परेशान चल रहे थे।

दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचा मकान मालिक

बलरामपुर के शिवम त्रिपाठी सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र स्थित रिश्ता मैनहैटन में टावर नंबर A2 फ्लैट संख्या 407 में किराए पर फ्लैट लेकर रहते थे। 1 फरवरी की शाम मकान मालिक फ्लैट पर पहुंचा। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला। फ्लैट मालिक को शक हुआ तो उसने सिक्योरिटी गार्ड को बुलाया। फिर वीडियो बनाते हुए फ्लैट का दरवाजा तोड़ा, अंदर जाकर देखा तो शिवम पंखे के सहारे फंदे से झूल रहा था। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

"फ्लैट मालिक को शक हुआ तो उसने सिक्योरिटी गार्ड को बुलाया। फिर वीडियो बनाते हुए फ्लैट का दरवाजा तोड़ा, अंदर जाकर देखा तो शिवम पंखे के सहारे फंदे से झूल रहा था। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सुशांत गोल्फ सिटी की इसी सोसायटी में शिवम त्रिपाठी रहते थे।

फूफा गोंडा में बीजेपी विधायक

मृतक शिवम त्रिपाठी के फूफा के विनय कुमार द्विवेदी गोंडा जिले की मेहनौन विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने सपा उम्मीदवार को हराकर लगातार दूसरी बार जीत हासिल की थी। शिवम के परिवार में पिता राजेश त्रिपाठी, मां, छोटा भाई प्रखर और अभिषेक हैं।

लखनऊ पुलिस से भिड़े शिक्षक अभ्यर्थी, धक्का-मुक्की

हाथ-पैर पकड़कर ठूस-ठूसकर बस में भरा, केशव मौर्य का आवास घेरने पहुंचे थे

- **अभ्यर्थियों को टांग-टांगकर पुलिसकर्मियों ने गाड़ियों में भरा। इस दौरान अभ्यर्थी सरकार के खिलाफ नारे लगाते रहे।**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी पुलिस से भिड़ गए। जमकर नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिसवालों ने हाथ-पैर पकड़कर अभ्यर्थियों को ठूस-ठूसकर भरा और इको गार्डन ले गई। करीब 50 अभ्यर्थी सोमवार सुबह 11 बजे डिप्टी सीएम का आवास घेरने के लिए सपा कार्यालय के बाहर जुटे। प्रदर्शनकारी 'मैं अभागा पिछड़ा, दलित हूं' और 'सुप्रीम कोर्ट जातिवादी है' जैसे स्लोगन लिखे बैनर ओढ़कर पहुंचे थे। जैसे ही प्रदर्शनकारी सपा कार्यालय से आगे

बढ़े, पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस पर उनके बैनर फाड़ने का आरोप लगाकर वे हंगामा करने लगे। पहले पुलिसवालों से हॉट टॉक हुई, फिर धक्का-मुक्की हो गई।

करीब 20 मिनट तक हंगामा चला। अभ्यर्थियों ने कहा- हम रोज आएंगे, देखते हैं पुलिस कब तक रोकेगी। जब तक सांस रहेगी, तब तक लड़ाई लड़ेंगे। दो साल से संघर्ष कर रहे, लेकिन हम लोगों को कुछ नहीं मिला। अनुप्रिया पटेल और केशव मौर्य पिछड़ों के नाम पर कलंक हैं। उनके मुंह से हमारे लिए शब्द नहीं निकलते, वे सिर्फ अपनी कुर्सी बचा रहे हैं। अमरेंद्र ने कहा-हम रोज आएंगे और एक-एक विधायक, नेता और मंत्रियों को घेरेंगे। ओम प्रकाश राजभर और स्वामी प्रसाद मौर्य दावा करते हैं कि वे पिछड़ों के सबसे बड़े नेता हैं। अगर पिछड़ी जाति से आने वाले बच्चे ऐसे मार खा रहे हैं, तो ये नेता-मंत्री पुलिस को आगे करके हम लोगों को पिटवा रहे हैं। अगर हमारे नेता मजबूती के साथ खड़े होते, तो अब तक नौकरी मिल जाती। अमित मौर्य ने कहा- दो साल में कोर्ट में 30 से ज्यादा तारीखें लग चुकी हैं।

फास्ट न्यूज

शादी से 11 दिन पहले हूई युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी इलाके में शनिवार देर शाम सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। उसका ममेरा भाई गंभीर रूप से घायल है और ट्रॉमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है। मृतक अपनी शादी का कार्ड बांटने के लिए जा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता ने थाने में टक्कर मारने वाले वाहन के खिलाफ तहरीर दी है।

कक्षा-4 के छात्र को अगवा करने की कोशिश

दुबग्गा। लखनऊ के कृष्णा नगर में रविवार शाम 11 साल के छात्र के अपहरण का प्रयास किया गया। कक्षा 4 में पढ़ने वाले छात्र की सूझबूझ और बहादुरी से बड़ी वारदात टल गई। बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे अगवा करने की कोशिश की थी। यह घटना शाम करीब 6:45 बजे पंडितखेड़ा स्थित द्वारिकापुरी कॉलोनी में हुई। केंद्रीय विद्यालय आरडीए-सओ का छात्र ईवान शर्मा अपने घर से लगभग 50 मीटर दूर एक जनरल स्टोर से सामान लेकर लौट रहा था। तभी काली स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो नकाबपोश युवक उसके पास पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने पहले बच्चे को बहलाने की कोशिश की और उसे पेंसिल खरीदने व घर छोड़ने की बात कही। जब बच्चे ने इनकार किया, तो एक बदमाश ने अचानक रुमाल से उसका मुंह दबा दिया और जबरन बाइक पर बैठाने का प्रयास करने लगा।

सरकारी नौकरी छोड़ सहजन की कंपनी बनाई

लखनऊ। एक ओर युवा सरकारी नौकरी की ओर दौड़ लगा रहे हैं। दूसरी ओर एक ऐसी महिला भी हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी को छोड़कर अपना अलग रास्ता चुना। अपने दम पर न सिर्फ पहचान बनाई, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन गईं। 8 साल में एक हजार महिलाओं की मोरिंगा आर्मी खड़ी की। उनका अब हर साल ढाई करोड़ का टर्नओवर है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की रिहाई में देरी

रिहाई के आदेश कारागार नहीं पहुंचे, क्रिएटिनिन बढ़ने से सीटी स्कैन में भी देरी

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया। कूट रचना और धोखाधड़ी के मामलों में देवरिया जिला कारागार में निरुद्ध पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की रिहाई फिलहाल टलती नजर आ रही है। कोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद अब तक सभी आवश्यक रिहाई आदेश जिला कारागार तक नहीं पहुंच पाए हैं, जिसके चलते उनकी रिहाई में तीन से चार दिन की और देरी होने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। अस्पताल परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस विभाग द्वारा दो शिफ्ट में जवानों की ड्यूटी लगाई गई है,इस तरह अमिताभ ठाकुर को दो स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जा रही है। अधिवक्ता के अनुसार देवरिया में दर्ज मुकदमे में भी दो जमानत-दार और एक–एक लाख रुपये के दो बांड भरवाने की शर्त है।

वाराणसी से नहीं पहुंचे रिहाई के आदेश

लखनऊ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय से वारंटी बी वापसी का पत्र देवरिया जिला कारागार पहुंच चुका है, लेकिन वाराणसी में दर्ज मुकदमे से संबंधित रिहाई आदेश अभी जेल प्रशासन को प्राप्त नहीं हुआ है। जेल अधिकारियों का कहना है कि जब तक सभी मामलों में विधिवत और पूर्ण आदेश एक साथ प्राप्त नहीं हो जाते, तब तक किसी भी बंदी को रिहा करना नियमों के विपरीत होगा।

वकील बोले- देवरिया और वाराणसी से जाएंगे रिहाई के आदेश

पूर्व आईपीएस के अधिवक्ता प्रवीण द्विवेदी ने बताया - वाराणसी न्यायालय द्वारा जमानत स्वीकृत कर दी गई है तथा जमानतदारों और बांड की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बुधवार तक वाराणसी से रिहाई आदेश देवरिया जिला कारागार पहुंच सकता है। इसके बाद देवरिया सदर कोतवाली में दर्ज मुकदमे से संबंधित आदेश अगले दिन गुरुवार तक जेल प्रशासन को भेजे जाने की संभावना है। सभी आदेश एक साथ प्राप्त होने के बाद ही रिहाई की औपचारिकताएं पूरी की जा सकेंगी। जेल प्रशासन का स्पष्ट मत है कि आंशिक आदेश या किसी एक मुकदमे की रिहाई पर्याप्त नहीं होती, बल्कि प्रत्येक मामले में न्यायालय से विधिक प्रक्रिया पूर्ण होना अनिवार्य है। इसी कारण रिहाई की प्रक्रिया तकनीकी रूप से लंबी होती जा रही है। जिसमें प्रत्येक शिफ्ट में एक दरोगा और छह पुलिसकर्मी तैनात हैं। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने भी अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड लगा दिए हैं।

पूर्व IPS की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी।

"डॉक्टरों का कहना है कि पहले दवाओं, तरल पदार्थों और नियंत्रित उपचार के माध्यम से क्रिएटिनिन का स्तर सामान्य करने का प्रयास किया जाएगा, उसके बाद ही सीटी स्कैन जैसी विस्तृत जांचें कराई जाएंगी। यदि स्तर नियंत्रित नहीं हुआ तो उपचार की दिशा में और चिकित्सकीय कदम उठाए जा सकते हैं। फिलहाल उन्हें निरंतर निगरानी में रखा गया है और नियमित परीक्षण किए जा रहे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों का जोरदार प्रदर्शन

लॉ स्टूडेंट्स ने नंबर कटने पर जमकर किया हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में सोमवार को छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया। लॉ स्टूडेंट्स ने डिपार्टमेंट के फैकल्टी मेंबर्स पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कईं टॉपर्स को बेहद कम नंबर दिए गए है। इसके चलते तमाम स्टूडेंट्स की मेरिट कम हो गई। स्टूडेंट्स के हंगामा की खबर सुनकर मौके पर डीन सहित प्रॉक्टोरियल बोर्ड के कई सदस्य पहुंचे। उनकी तरफ से स्टूडेंट्स को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया। आक्रोशित स्टूडेंट्स रिजल्ट रिवाइज करने की मांग पर अड़े रहे। इस बीच कैंपस का माहौल भी गर्म रहा। प्रदर्शन कर रहे हैं छात्र सत्यम ने बताया कि 30 जनवरी को LLB थर्ड ईयर का रिजल्ट जारी हुआ था। इस बार के रिजल्ट में टीचर्स ने नंबर देने में जमकर मनमानी की। कई ऐसे टॉपर स्टूडेंट है जिन्हें 100 में से 8 या 9 नंबर मिले। जबकि कुछ स्टूडेंट्स को

छात्रों में काफी आक्रोश है। डीन और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों ने किसी तरह सभी को शांत कराने की कोशिश की पर स्टूडेंट्स नहीं माने।

90-95 तक नंबर भी दिए गए हैं। इंटरनल मार्क्स में भी इसी तरह खूब खेला हुआ था। आज जब प्रदर्शन की खबर डीन तक पहुंची, तो उनका कहना था कि अब रिजल्ट आ गया है। अब कुछ नहीं हो सकता। यही कारण हैं कि सभी स्टूडेंट्स बेहद आक्रोशित हैं। प्रदर्शन के दौरान लॉ के तमाम स्टूडेंट्स मौजूद रहे। काफी देर नारेबाजी करने के बाद स्टूडेंट्स घेरा बनाकर कॉरिडोर में बैठ गए।

दो पक्षों में जमकर चले ईंट-पत्थर

गांजा बेचने की शिकायत पर बवाल, 2 लोगों को सिर फटा

- **दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।**
- **मारपीट के दौरान ईंट-पत्थर चले। इससे दो लोगों का सिर फट गया।**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के तालकटोरा थाना क्षेत्र में 2 पक्षों में गांजा बेचने की शिकायत को लेकर जमकर मारपीट हुई, जिसमें दो लोगों को गंभीर चोट आई। आरोप है एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की शिकायत पुलिस से की थी, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने हमला कर दिया। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। गाजी हैदर कैनाल राजाजीपुरम, आवास विकास कालोनी निवासी मालती यादव ने बताया कि रविवार शाम करीब 4.30 बजे घर के

बाहर शोर सुनाई दी। बाहर निकलकर देखा तो मोहल्ले में रहने वाले संजय आर्यन, सोनू, मोनू, फैजल व 5-6 अज्ञात लोग बेटे ईशू यादव, अभिषेक कश्यप और अभिषेक रावत को गिराकर ईंटो व लोहे की रॉड से बुरी तरह पीट रहे थे। इसी दौरान किसी ने ईशू के सिर पर ईंट मार दी, जिससे वह लहुलूहान होकर बेहोश हो गया। सिर व मुंह से खून देखकर आरोपी मरा समझकर घर पर पथराव कर भाग गए। इसके बाद ईशू को रानी लक्ष्मी बाई अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से ट्रॉमा भेज दिया गया। उसका गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। दूसरे पक्ष राजाजीपुरम निवासी मोनू गौतम ने बताया कि शाम के समय उनका भाई सोनू गौतम आर्यन और संजय गौतम के साथ जा रहा था। तभी मोहल्ले के ईशू यादव, मालती यादव, प्रियांशु राठौर और अभिषेक ने घर सामने रोक लिया। गाली देते हुए कहने लगे कि तुम लोग गांजा बेचने का विरोध करते हो और थाने पर शिकायत करते हो। गाली देने से मना करने पर बोला कि आंख दिखाओगे, इसके बाद जाति सूचक गालियां दीं। ईशू यादव ने जान से मारने की नियत से ईंट से सोनू से सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। बाकी तीनों भाईयों को ईंट व डंडों से बुरी तरह मारा। मोनू की चीख पुकार सुनकर बचाने दौड़ा तो मालती ने डंडे से मोनू के पैर पर मारा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मामले में इंस्पेक्टर तालकटोरा कुलदीप सिंह का कहना है कि दोनों पक्षों ने मुकदमा दर्ज कराया है। मामले की जांच की जा रही है।

कार्यवाई : फर्जी रसीदें थमाकर हड़पे थे 40 लाख, पति से तलाक लेकर अलग रह रही थी

पोस्ट ऑफिस ठगी की मास्टर माइंड महिला टीचर अरेस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। पोस्ट ऑफिस में पैसे जमा कराने के नाम पर लोगों से करीब 40 लाख की ठगी करने वाली सरकारी टीचर को अनवरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टीचर इतनी शातिर थी कि लोगों से ठगी करने के बाद पति से तलाक लिया और नजीराबाद निवासी दूसरे युवक के साथ रहने लगी थी। एक साल पहले उसकी महोबा स्थित सरकारी विद्यालय में शिक्षिका के पद पर नियुक्ति हो गई थी। आरोपी महिला पोस्ट ऑफिस में एजेंट थी, उसने अपने पति और सास के साथ मिलकर लोगों से ठगी की। बीते 4 जनवरी को आरोपी पति को पुलिस ने जेल भेजा था। लाटूश रोड निवासी विनीता सोनकर ने सितंबर 2025 में अनवरगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया था कि उनके पति सौरभ सोनकर नारायणपुरवा निवासी एजेंट प्रदीप अवस्थी व उनकी पत्नी नीलम अवस्थी के जरिए पोस्ट ऑफिस में किस्त जमा करते थे। प्रदीप की मौत के बाद एजेंट पत्नी

नीलम, बेटा आशीष व बहू अनूजा अवस्थी से चार आरडी खाते खुलवाए थे, जिसकी मासिक किस्तें जमा की गई। पोस्ट ऑफिस जाकर पता किया सामने आया कि 29 फरवरी 2020 तक मात्र 1.50 लाख रुपए जमा किए थे, इसके बाद की सभी रसीदें फर्जी निकली। विरोध करने पर आरोपी आशीष ने शीघ्र ही भुगतान कराने को कहा, भुगतान न होने पर कैश रकम देने की बात कही। बताया कि 10 मई 2024 को आशीष, अनूजा समेत कई लोग उनके पति के ऑफिस पहुंचे और जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर आफिस में तोड़फोड़ की। जिस पर पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि सास, बहू और बेटे पोस्ट ऑफिस में पैसा जमा कराने के नाम पर लोगों से ठगी करते थे और उन्हें फर्जी रसीदें, पासबुक थमा देते थे।

विनीता ने बताया कि उनके साथ ही पति ने दो फिक्सिड डिपॉजिट का खाता खुलवाया। जिसमें विभिन्न तिथियों में 7.50 लाख रुपए जमा किए थे, जिनकी विधिवत रसीदें आरोपियों ने मुहैया कराई थी। आरडी मैच्योर होने पर 22 जनवरी 2024 को आरोपियों ने एक चेक दिया, जो बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया। शिकायत करने पर आशीष ने गलत चेक जारी होने की बात नई 10 लाख की चेक दी, जो दोबारा बाउंस हो गई।

28 दिन पहले पुलिस ने पति को किया था गिरफ्तार

अनवरगंज इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे ने बताया कि आरोपी पति आशीष अवस्थी को करीब 28 दिन पहले गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, जबकि आज आरोपी अनूजा को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी महिला आशीष को किस्तें वसूलने के लिए भेजती थी, पूरी रकम हड़पने के बाद अनूजा पति को छोड़ कर नजीराबाद निवासी दूसरे युवक संग रहने लगी थी। अनूजा की महोबा स्थित सरकारी स्कूल में टीचर के पद पर नियुक्ति हो गई थी, उसे जेल भेजा जा रहा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

राहुल गांधी के ...

राहुल गांधी को राजनाथ ने 11 बार, शाह ने 7 बार टोका। इसके अलावा किरेन रिजिजू ने 2 बार और अनुराग ठाकुर ने 6 बार रोका। पीठासीन- अगर आपको बोलना है तो राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलें, जो बुक पब्लिश नहीं है उस पर क्यों बोल रहे हैं। कोई तथ्य नहीं है। कोई साक्ष्य नहीं है। रिजिजू- देखिए, अभी अभी राहुल गांधी ने बोला कि गृह मंत्री यहां से चले गए। कोई जेल से भागने वाला शब्द कैसे यूज कर सकते हैं। ये बहुत गलत है। हम आपको सुनने के लिए बैठे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं एक बेसिक मुद्दा उठा रहा था। जो चीन भारत के संबंधों पर था। मैं कहना चाहता था कि नरवणे जी ने क्या कहा था। इसके बाद किरेन रिजिजू ने फिर टोका और कहा कि आप फिर से वही कहना शुरू हो गए हैं। कहने के लिए और भी बातें हैं। महुआ मोइत्रा ने कहा- तेजस्वी सूर्या जैसा कोई भी खड़ा होकर कुछ भी कह सकता है और उसकी तारीफ़ होती है।

एअर इंडिया ...

फ्यूल कंट्रोल स्विच विमान के कॉकपिट में थ्रस्ट लीवर के पास होते हैं। ये इंजन में फ्यूल की सप्लाई को कंट्रोल करते हैं। इसका मुख्य काम इंजन में फ्यूल की सप्लाई को शुरू करना (रन पोजिशन) या बंद करना (कटऑफ पोजिशन) है। हर इंजन के लिए अलग-अलग फ्यूल कंट्रोल स्विच होता है। उदाहरण के लिए, बोइंग 787 में दो इंजन हैं, तो दो स्विच होंगे- एक बाएं इंजन के लिए, एक दाएं के लिए। स्विच को हिलाने के लिए तीन स्टेप्स चाहिए- पकड़ना, डिटेंट से बाहर निकालना और रिलीज करना। ये कोई नॉर्मल स्विच नहीं है, जो गलती से धक्का लगने से दब जाए जाए। 12 जून 2025 को एअर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट AI 171 क्रैश हो गई थी। हादसे में प्लेन में सवार 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर समेत 241 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, जहां विमान गिरा था, वहां मौजूद 29 लोग मारे गए थे। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) ने अपनी प्राइमरी रिपोर्ट में दावा किया था कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश से पहले फ्यूल कंट्रोल स्विच बंद कर दिए गए थे। इसके बाद एविएशन सिक्योरिटी रेग्युलेटर (DGCA) ने 12 जुलाई 2025 को एयरला-इनों को अपने विमानों में फ्यूल स्विच सिस्टम की जांच करने का निर्देश दिया था। 21 जुलाई को रिपोर्ट मांगी थी।

जाति गणना ...

और इसका सीधा असर देश की सभी कल्याणकारी योजनाओं और आरक्षण नीतियों पर पड़ेगा। उन्होंने आशंका जताई कि अगर इस प्रक्रिया में गलत या अप्रमाणित डेटा दर्ज हो गया, तो उसे बाद में सुधारना लगभग असंभव होगा। गृह मंत्रालय ने 27 जनवरी को स्पष्ट किया था कि जनगणना 2027 के दूसरे चरण में जाति जनगणना भी की जाएगी। सरकार ने कहा कि देश भर में फरवरी 2027 से जनगणना शुरू हो जाएगी। गृह मंत्रालय ने कहा कि जनगणना 2027 के बारे में पूरी जानकारी 12 दिसंबर, 2025 को एक प्रेस नोट के माध्यम से जारी की गई थी। फिर भी, कुछ लोग जानबूझकर जनगणना-2027 और विशेष रूप से जाति जनगणना के बारे में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्रालय ने आगे बताया कि जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके क्षेत्रों और गैर-समकालिक क्षेत्रों सितंबर, 2026 में ही इसे पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ...

हमारी कंपनी पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से इस राज्य में निवेश कर रही है। इस विशेष चर्चा के दौरान हमने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण और अपने व्यवसाय के विस्तार में राज्य सरकार से मिले पूर्ण सहयोग को लेकर अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए। हम भविष्य में भी उत्तर प्रदेश में अपने कारोबार के विस्तार के लिए नए निवेश अवसरों की तलाश करने के लिए उत्सुक हैं। उल्लेखनीय है कि एपी मोलर माएर्स्क शिपिंग, बंदरगाह, जल परिवहन और अंतर्देशीय लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की कंपनी है। इसके संभावित निवेश से उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को मजबूती, औद्योगिक गतिविधियों में तेजी और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना है, जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महिला क्लर्क ...

मुझे उसने वाट्सऐप पर मैसेज किया था। इसी बीच एंटी करप्शन टीम की महिला स्टाफ ने क्लर्क का हाथ पकड़ लिया। फिर उसे डांटते हुए गाड़ी में बैठने को कहा। गिरफ्तार की गई महिला क्लर्क का नाम बबीता चौहान है। वह मूलरूप से आगरा की रहने वाली है। लेकिन, अभी हाथरस में आवास विकास कॉलोनी में रहती है। बबीता सीएमओ ऑफिस में 2019 से तैनात है। उसके पति आगरा में ही एक प्राइवेट कंपनी मैनेजर के पद पर तैनात हैं। CHC में तैनात होने वाले इंटर्न की तैनाती करने की जिम्मेदारी बबीता के ही पास है। बिना घूस इंटर्नशिप देने से इनकार कर रही थी सिकंदरा-राऊ के रहने वाले प्रशांत परमार ने बी-फार्मा किया है। इसके बाद वह हाथरस सीएचसी में इंटर्नशिप के अलॉटमेंट के लिए बबीता के पास करीब 15 दिन से चक्कर लगा रहा था। लेकिन, बबीता इंटर्नशिप दिलाने के नाम पर प्रशांत से 5000 रुपए मांग रही थी।

35 साल से फरार 50 हजार का इनामी अरेस्ट

कानपुर में रंजिश को लेकर गोली मारकर की थी हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के कर्नलगंज में 42 साल पहले दो पहलवानों की रंजिश में युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे हत्यारोपी को पुलिस ने 35 साल बाद चकेरी से गिरफ्तार कर लिया। वह 1990 से फरार चल रहा था उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वह गोंडा में नाम बदलकर रहने के साथ ही सब्जी का ठेला लगाकर जीवन यापन कर रहा था। डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि दो पहलवानों की के गुटों में रंजिश में को लेकर सुल्तान नाम के युवक की वर्ष 1984 में गोंडा जनपद के खुडारे ददरा रसूलपुर खान ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में परिजनों की तहरीर पर उसके खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कराकर जेल भेज था। इसके बाद गोंडा जेल स्थानांतरित किया

गिरफ्तार होने के बाद हाथ जोड़कर माफी मांगता आरोपी शौकत

गया था। वर्ष 1990 में जमानत के बाद आरोपी शौकत फरार हो गया था। आरोपी शौकत ने अपना पता चमनगंज लिखवाया था जहां वह किराए पर रहता था पुलिस के काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका पता नहीं चला। जिसके बाद 20 जनवरी 2026 को शौकत पर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था। डीसीपी ने बताया कि हत्यारोपियों की तलाश में दो टीमें लगी थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676